पुष्पांजली टुडे

नई सोच, नई पहल

■ ग्वालियर ■ वर्ष : 4 ■ अंक : 141

ग्वालियर, रविवार, 11 जुलाई, 2021

■ पृष्ठ 8 ■ मूल्य : 2 रु.

वन-टू-वन

मदर डेयरी ने दुध पर 2 रुपए प्रति लीटर दाम बढ़ाए

नई दिल्ली। पेट्रोल, डीजल, सीएनसी और पीएनजी के बाद दूश के दाम बढ़ गए हैं। ताजा खबर दिल्ली आ रही है कि यहां मदर डेयरी ने अपने दूध की कीमतों में 2 रुपए प्रति लीटर की बढ़ोतरी करने का फैसला किया है। नए दाम 11 जुलाई से लागू होंगे। महंगाई की लगातार मार झेल रहे आम लोगों के लिए बुरी खबर है। समाचार एजेंसी एनएनआई के मुताबिक, मदर डेयरी ने 11 जुलाई 2021 से दिल्ली एनसीआर में अपने तरल दूध की कीमतों में 2 रुपये प्रति लीटर की बढ़ोतरी की। नई कीमतें सभी दूध प्रकारों के लिए लागू होंगी। दूध की कीमतों में आखिरी बार करीब 1.5 साल पहले यानी दिसंबर 2019 में बढ़ोतरी की गई थी। इस बीच, देश में पेट्रोल और डीजल के दाम बढ़ने का सिलसिला जारी रहा। 10 जुलाई को भी पेट्रोल 35 पैसे और डीजल 26 पैसे महंगा हुआ। इस महीने के पहले 10 दिनों में यह 7वां मौका रहा जब दाम बढ़े हैं। आधे से ज्यादा भारत में अब पेट्रोल 100 रुपए लीटर से अधिक के दाम में मिल रहा है। भारत की आर्थिक राजधानी मुंबई में पेट्रोल ?106.93 प्रति लीटर पर बिक रहा है, जबकि डीजल ?97.46 प्रति लीटर पर पहुंच गया है। जम्मू-कश्मीर की शीतकालीन राजधानी जम्मू में ईंधन ?100 रुपए पार हो गया।

अफगानिस्तान सरकार 6 महीने में गिर सकती है

नई दिल्ली। अफगानिस्तान में अमेरिका 20 साल से लड़ रहा है। उसने फौजी अभियान पर 149 लाख करोड़ रुपए से अधिक खर्च किए हैं। उसके हजारों सैनिक मारे गए। हजारों अफगानियों को जान गंवानी पड़ी है। इतने लंबे अभियान के बाद के बाद भी अमेरिका के पास दिखाने के लिए कुछ नहीं है। तालिबान के खौफनाक लड़ाकों की वापसी हो रही है। उन्होंने लगभग आधे देश पर कब्जा कर लिया है। खुफिया सूत्रों का दावा है, अमेरिका समर्थक मौजूदा सरकार छह माह में गिर जाएगी। सच है कि अमेरिका पर 9/11 का हमला करने वाले अलकायदा का अब देश में प्रभाव नहीं है। लेकिन, इस्लामिक स्टेट की एक शाखा सहित कई अन्य अमेरिका विरोधी आतंकवादी गुट अफगानिस्तान में सक्रिय है। इस बीच तालिबान और अमेरिका समर्थक सरकार के बीच शांति समझौते पर चर्चा चल रही है। उम्मीद की जा रही है कि पाकिस्तान जैसे मित्रों के दबाव से तालिबान सत्ता में बंटवारे के समझौते पर मान जाएगा। लेकिन इसकी संभावना बहुत कम है। तालिबान अपने पूर्व शासन के पुराने कट्टर और निर्मम तौर-तरीके लागू करने पर जोर देगा। किसी समझौते की बजाय तालिबान की तरफ से सरकार को बलपूर्वक हटाने की संभावना अधिक है। वह धीरे-धीरे शिकंजा कसने की नीति अपनाएगा। देश में गृहयुद्ध का विस्तार होगा।

एशिया के सबसे लंबे ट्रैक
इंदौर में 308 किमी की स्पीड से मुड़ती है सुपर कार, अब तक सिर्फ जर्मनी, इटली और अमेरिका में ही थे ऐसे ट्रैक

इंदौर।

मध्यप्रदेश में इंदौर के पास पीथमपुर में दुनिया का पांचवां और एशिया का सबसे लंबा हाई स्पीड सुपर कार टेस्टिंग ट्रैक, नेट्रिक्स बनकर तैयार हो गया है। यहां कारें दौड़ती नहीं, हवा से बातें करती हैं। कर्व पर भी कार 308 किमी की रफ्तार से मुड़ती है, तो फिर मैक्सिमम स्पीड क्या है... इसकी कोई लिमिट नहीं। यानी आप जितनी रफ्तार से कार दौड़ा सकते हैं, दौड़ाइए। 2960 एकड़ में बने इस ट्रैक से देश में ऑटोमोबाइल इंडस्ट्री को रफ्तार मिलेगी।

अब तक देश में बनने वाले व्हीकल टेस्टिंग के लिए दूसरे देशों के ट्रैक पर जाते थे। नेट्रिक्स के सेंटर हैड एन. करियप्पा ने बताया कि यह सेंटर तीन साल में 512 करोड़ की लागत से तैयार हुआ है। ट्रैक पर सामान्य स्पीड 250 किमी प्रति घंटा है। सबसे ज्यादा रफ्तार चौथे कर्व ट्रैक पर 308 किलोमीटर तक पहुंच जाती है जो अब तक सबसे ज्यादा है।

किन व्हीकल की टेस्टिंग यहां होंगी?

हाईस्पीड कैटेगरी की कारों जैसे मर्सिडीज, टेस्ला, ऑडी, फेरारी, लेम्बोर्गिनी और BMW की टेस्टिंग यहां होती है। अब हाई स्पीड टू व्हीलर और भारी कमर्शियल वाहनों की टेस्टिंग भी होगी।

इस तरह के ट्रैक दुनिया में और कहां हैं?

इस तरह के लंबे ट्रैक दुनिया में अभी तक केवल जर्मनी, अमेरिका और इटली में ही थे।

क्या आम लोग यहां अपनी गाड़ियां दौड़ा सकेंगे?

नहीं, यह ट्रैक अभी केवल कंपनियों के वाहन टेस्टिंग के लिए है। यहां आम लोगों या कार रेसर्स को आने की परमिशन नहीं है। कमर्शियल रेट्स पर वाहनों को टेस्ट किया जाता है। एक व्हीकल की टेस्टिंग के लिए एक से डेढ़ लाख रुपए तक चार्ज लगता है।

यहां कितने टेस्टिंग ट्रैक बनाए गए हैं?

यहां 14 तरीके के टेस्टिंग ट्रैक हैं, जहां टू व्हीलर, कार के साथ भारी कमर्शियल वाहनों की भी टेस्टिंग होगी। 11.3 किमी लंबा यह ट्रैक 16 मीटर चौड़ा है। सपाट, ऊबड़-खाबड़, गीले, पथरीले, संकरे और घुमावदार ट्रैक पर वाहनों की टेस्टिंग होगी, जिसके बाद ही उसे अप्रूवल मिलेगा। इसका शेप ओवल यानी अंडे जैसा है।

UP में ब्लॉक प्रमुख चुनाव रिजल्ट
42 जिलों में 318 पर बीजेपी, 51 पर सिमटी सपा

15 जिलों में हिंसा, इटावा में एसपी सिटी को थप्पड़ मारा, प्रतापगढ़ में फायरिंग

लखनऊ

उत्तर प्रदेश में ब्लॉक प्रमुख चुनाव मतदान संपन्न होने के साथ रिजल्ट भी आने शुरू हो गए हैं। लखनऊ की 8 सीटों में से भाजपा ने 7 और निर्दलीय ने 1 सीट जीती हैं। जबकि, राजधानी में सपा 1 भी सीट नहीं जीत सकी। लखनऊ समेत 42 जिलों में 318 सीटों पर बीजेपी जीत हासिल कर चुकी है, जबकि सपा महज 51 सीटों पर जीत पाई है। सपा से आगे निकलते हुए 58 पर ही निर्दलीय जीते हैं। इससे पहले राज्य के कई जिलों में जबरदस्त हिंसा हुई।

इटावा में पुलिस और भाजपाइयों के बीच जमकर भिड़ंत हुई है। इटावा में पुलिस अधिकारियों के साथ धक्का-मुक्की की गई। एसपी सिटी को थप्पड़ मार दिया है। वहीं, लखनऊ, प्रतापगढ़, हमीरपुर, सिद्धार्थनगर, अमरोहा, रायबरेली, फिरोजाबाद, कानपुर, एटा, पीलीभीत, महोबा, बाराबंकी, चंदौली समेत 15 जिलों में गोलीबारी, पथराव, उपद्रव और मारपीट हुई है।

49 ब्लॉक प्रमुख को निर्विरोध चुने गए

कुल 825 पदों में से 476 पदों के लिए दोपहर 3 बजे तक वोट डाले गए। इससे पहले शुक्रवार को नाम वापसी के बाद 349 ब्लॉक प्रमुख को निर्विरोध चुन लिया गया है। इनमें 334 से ज्यादा भाजपा के प्रत्याशी हैं। वोटिंग को शांति पूर्ण तरीके से निपटाने के लिए पुलिस और प्रशासन अलर्ट है। मतदान और मतगणना केंद्रों में बिना चेकिंग किसी को एंट्री नहीं मिलेगी। राज्य निर्वाचन आयुक्त मनोज कुमार ने बताया कि कुल 1778

कोरोना महामारी को देखते हुए बरती जाएगी विशेष सतर्कता

एडीजी कानून-व्यवस्था प्रशांत कुमार ने बताया कि कोविड-19 के संक्रमण को देखते हुए मतदान व मतगणना स्थल पर ड्यूटी पर लगे पुलिस बल के लिए ग्लब्स, फेस-शील्ड, मास्क एवं सेनेटाइजर की पर्याप्त व्यवस्था की गई है। इस दौरान सोशल डिस्टेंसिंग का पूरी तरह पालन कराने की हिदायत दी गई है।

मतदान केंद्रों पर द्विस्तरीय पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाया जाएगा

मतदान एवं मतगणना केंद्रों पर CCTV, वायरलेस सेट व टेलीफोन आदि संचार सुविधाओं से युक्त एक नियंत्रण कक्ष स्थापित किया जाएगा। इसमें प्रशिक्षित पुलिसकर्मी तैनात रहेंगे। मतगणना स्थल पर द्विस्तरीय पब्लिक एड्रेस सिस्टम लगाया जाएगा जिसके द्वारा मतगणना केंद्र के अंदर प्रत्येक राउंड की मतगणना के परिणाम बताए जाएंगे।

एडीजी कानून-व्यवस्था ने बताया कि परिणाम घोषित होने के बाद विजय जुलूस प्रतिबंधित रहेगा। इसके लिए स्थानीय अभिसूचना इकाई, यूपी 112 के वाहन और स्थानीय पुलिस पूरी तरह सतर्क रहेगी, ताकि कोई अप्रिय घटना न होने पाए।

नामांकन के दिन 24 जनपदों में बवाल, उपद्रव, गोलीबारी

8 जुलाई को नामांकन के आखिरी दिन ब्लाक प्रमुख प्रत्याशियों के समर्थकों और रास्ता के साथ मारपीट की घटनाएं सामने आई हैं। 8 जुलाई को सीतापुर लखीमपुर समेत उत्तर प्रदेश के 24 जिलों के 24 थाना क्षेत्रों में ब्लॉक प्रमुख उम्मीदवारों के नामांकन पत्रों के दौरान भाजपा और सपा के उम्मीदवारों और समर्थकों के बीच में मारपीट और गोलीबारी की घटनाएं भी सामने आई

इन जिलों में वोटिंग के दौरान हुआ बवाल

प्रतापगढ़ के आसपुर देवसरा ब्लाक में मतदान स्थल के बाहर सपा नेताओं और पुलिस में झड़प हुई। सपाइयों ने पुलिस पर पथराव किया है। बचाव में पुलिस ने हवाई फायरिंग की है।

सीतापुर के पहला ब्लॉक पर भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों की गाड़ी से असलहा, लाठी-डंडे, ज्वलनशील पदार्थ बरामद हुआ है। एक युवक गिरफ्तार हुआ है।

अमरोहा के जोया ब्लॉक में मतदान केंद्र के बाहर सपा और भाजपा कार्यकर्ता आपस में भिड़ गए। जिसके बाद पुलिस ने लाठीचार्ज किया है। कई लोग जख्मी हुए हैं।

फिरोजाबाद के जसराना ब्लॉक में निर्दलीय प्रत्याशी संजीव यादव की गाड़ी से एक राइफल और एक पिस्टल बरामद हुई है। पुलिस ने जब्त किया है।

रायबरेली के शिवगढ़ ब्लाक परिसर के बाहर भाजपा नेताओं ने जमकर हंगामा किया। यहां निर्दलीय प्रत्याशी शिल्पा सिंह के समर्थक व भाजपा समर्थक आमने सामने हैं।

हमीरपुर के सुमेरपुर ब्लाक में सपा क्षेत्र पंचायत सदस्यों पर भाजपा नेताओं ने हमला किया। इस दौरान कई गाड़ियां तोड़ी गई। पुलिस मौके पर मूकदर्शक बनकर खड़ी रही।

सिद्धार्थनगर के नौगढ़ ब्लाक में भाजपा प्रत्याशी के समर्थकों ने वोटिंग करने जा रहे बीडीसी को पुलिस

आतंकियों से रिश्ते का आरोप
सरकारी नौकरी करते हुए देश से गद्दारी
हिजबुल चीफ सलाउद्दीन के 2 बेटों समेत कश्मीर के 11 सरकारी कर्मचारी बर्खास्त

श्रीनगर

म्मू-कश्मीर प्रशासन ने शनिवार को आतंकियों के मददगार सरकारी कर्मचारियों पर बड़ी कार्रवाई की। प्रशासन ने एक साथ 11 कर्मचारियों को बर्खास्त कर दिया। इनमें आतंकी संगठन हिजबुल मुजाहिदीन के संस्थापक सैयद सलाउद्दीन के दो बेटे भी शामिल हैं। सैयद सलाउद्दीन कश्मीर का रहने वाला है, लेकिन इस समय वह पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर में रह रहा है। वह यूनाइटेड जिहाद काउंसिल का भी हेड है। यह संगठन जैश-ए-मोहम्मद और लश्कर-ए-तैयबा ने मिलकर तैयार किया है।

आतंकियों को अंदरूनी जानकारी देते थे

बर्खास्त कर्मचारियों में 4 अनंतनाग के, 3 बडगाम के, 1-1 बारामूला, श्रीनगर, पुलवामा और कुपवाड़ा के हैं। इनमें 4 शिक्षा विभाग के, 2 पुलिस कॉन्स्टेबल, एग्रीकल्चर, स्किल डेवलपमेंट, बिजली, SKIMS और स्वास्थ्य विभाग के एक-एक कर्मचारी

हैं। अधिकारियों के मुताबिक, ये लोग आतंकियों को अंदरूनी जानकारियां दे रहे थे। सूत्रों ने बताया कि जम्मू-कश्मीर में प्रशासन से जुड़े मामलों की जांच के लिए बनाई समिति ने अपनी दूसरी बैठक में 3 और चौथी बैठक में 8 कर्मचारियों को बर्खास्त करने की सिफारिश की थी। ये सिफारिशें संविधान के दिए प्रावधानों के तहत की गई थीं।

सलाउद्दीन के बेटे टेरर फंडिंग में शामिल रहे

चौथी बैठक में जिन 8 कर्मचारियों को बर्खास्त करने की सिफारिश की गई उनमें 2 कॉन्स्टेबल हैं। वे विभाग में रहते हुए आतंकवादियों को जानकारी के साथ-साथ रसद भी पहुंचाते थे। सूत्रों ने बताया कि कॉन्स्टेबल अब्दुल राशिद शिगन सुरक्षाबलों पर हमले में भी शामिल था। मोस्ट वांटेड आतंकवादी सैयद सलाउद्दीन के बेटे सैयद अहमद शकील और शाहिद यूसुफ टेरर फंडिंग में शामिल थे। NIA की दोनों पर नजर थी। वे हिजबुल मुजाहिदीन के लिए हवाला के जरिए रकम जुटाने और ट्रांसफर करने में शामिल पाए गए।

हिजबुल चीफ के दोनों बेटे NIA की गिरफ्त में

45 साल के शाहिद यूसुफ को NIA ने 2017 में गिरफ्तार किया था। वह एग्रीकल्चर डिपार्टमेंट में काम करता था। NIA ने आरोप लगाया था कि शाहिद फरार आरोपी एजाज अहमद भट से इंटरनेशनल वायर मनी ट्रांसफर के जरिए फंड हासिल करता था। शाहिद भट के भारत में कई लोगों से संपर्क सामने आए थे, उनमें एक शाहिद यूसुफ भी था। उसे फोन के जरिए मनी ट्रांसफर के लिए कोड दिया जाता था।

सलाउद्दीन के दूसरे बेटे सैयद शकील यूसुफ को 2018 में गिरफ्तार किया गया था। तब हृद्ध, ष्टक्क्ष और जम्मू-कश्मीर पुलिस की टीम ने श्रीनगर में उसके घर पर छापा मारा था। वह श्रीनगर के एक सरकारी अस्पताल में लैब टैक्नीशियन था। उस पर 2011 के टेरर फंडिंग मामले में अपने पिता से पैसे लेने का आरोप है। हृद्ध का दावा है कि पाकिस्तान से जम्मू-कश्मीर पैसे ट्रांसफर किए गए। इस फंड का इस्तेमाल आतंकवाद और अलगाववादी गतिविधियों में किया गया।

रक्षामंत्री राजनाथ ने की इस्राइली समकक्ष से बात, साझेदारी आगे बढ़ाने पर रहा जोर

नई दिल्ली (ए)। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, बाचतीच के दौरान राजनाथ सिंह ने प्रधानमंत्री नफ्ताली बेनेट के नेतृत्व वाली नई इस्राइली सरकार में उप प्रधानमंत्री और रक्षामंत्री का प्रभार संभालने पर गैंट्ज को बधाई दी। मंत्रालय ने इस संबंध में जारी एक बयान में कहा, राजनाथ सिंह ने इस्राइल के उप-प्रधानमंत्री व रक्षामंत्री लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) बेंजामिन गैंट्ज के साथ टेलीफोन पर बातचीत की। राजनाथ सिंह ने ट्वीट किया कि वह रक्षा सहयोग को प्रगाढ़ बनाने के लिए इस्राइल के साथ मिलकर काम करने को लेकर उत्सुक हैं। उल्लेखनीय है कि इस्राइल के सैन्य हार्डवेयर का भारत सबसे बड़ा खरीदार है और पिछले कुछ वर्षों में विभिन्न हथियार प्रणालियों, मिसाइलों और मानव रहित हवाई यानों की आपूर्ति करता रहा है। सिंह ने ट्वीट किया, लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत) बेंजामिन गैंट्ज को इस्राइल का उप प्रधानमंत्री और रक्षा मंत्री का कार्यभार संभालने पर बधाई दी। और उन्हें कोविड-19 महामारी के दौरान इस्राइल द्वारा प्रदान की गई सभी सहायता के लिए धन्यवाद दिया। इस्राइल के साथ रक्षा सहयोग को प्रगाढ़ बनाने और रणनीतिक साझेदारी को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करने के लिए तत्पर हूं।

सिंधिया के उड्डयन मंत्री बनने से प्रबल हुई आस, नई उड़ान कराएंगी औद्योगिक विकास..

भोपाल/ग्वालियर

ग्वालियर-चंबल अंचल के बानमोर व मालनुप समेत कई औद्योगिक क्षेत्रों की स्थापना पूर्व केंद्रीय मंत्री माधवराव सिंधिया ने कराई थी। अब जबकि माधवराव सिंधिया के पुत्र ज्योतिरादित्य भी उन्हीं की तरह केंद्रीय नागरिक उड्डयन मंत्री बन गए हैं। ऐसे में अंचल में उद्योग-व्यापार को बढ़ावा मिलने की उम्मीदें जोर पकड़ने लगी हैं। मध्यप्रदेश चैंबर आफ कामर्स समेत विभिन्न व्यापारिक एवं औद्योगिक संगठनों का कहना है कि ग्वालियर की एयर कनेक्टिवीट कम होने के कारण बड़े उद्यमी अंचल का रुख नहीं करते हैं। यदि अंचल के लिए विभिन्न शहरों में हवाई सेवाएं बढ़ जाएं, तो बड़े उद्यमी अपने व्यस्त समय में से कुछ समय निकालकर ग्वालियर आसानी से आ पाया करेंगे।

ऐसा करने से अंचल में रोजगार के नए अवसर पैदा होंगे। खास बात यह है कि ग्वालियर में औद्योगिक इकाइयों की स्थापना कराने के लिए विशाल लैंड बैंक उपलब्ध है। जहां बड़ी-बड़ी इकाइयां स्थापित की जा सकती है। सीतापुर में पारले एग्रो इंडस्ट्री की जमीन बुक होने के बाद भी 2 साल से प्रोजेक्ट शुरू नहीं हो सका है। गौरतलब है कि बानमोर व मालनपुर में जेके डायर, माडलेज (कैडवरी), सूर्या, गोदरेज समेत तमाम बड़ी औद्योगिक इकाइयां स्थापित हैं। मगर ज्यादातर बड़ी इकाइयों के मालिक भी विजट करने नहीं आते। क्योंकि एयर कनेक्टिविटी कमजोर होने के कारण उन्हें ग्वालियर आने के लिए काफी समय निकालना पड़ता है। ऐसे में ज्योतिरादित्य सिंधिया के उड्डयन मंत्री बन जाने से अंचल के उद्यमी-व्यापारी की आशाएं बढ़ गई हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया पूर्व में खुद भी ग्वालियर में एयर कनेक्टिविटी को बढ़ावा देने के लिए प्रयासरत रहे हैं। जिसके लिए उन्होंने तत्कालीन उड्डयन मंत्री को पत्र भी लिखा था। वर्तमान में ग्वालियर में एयरफोर्स का एयरपोर्ट है, जिसके कारण सामान्य उड़ाने मुश्किल हो पाती है। सिविल एयरपोर्ट बनाने की ग्वालियर में बड़ी जरूरत है। मल्टीनेश्नल कंपनियां अभी ग्वालियर नहीं आ रही हैं, न डिपो लगाती हैं।

संक्षिप्त समाचार

राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन से सफाई कर्मचारियों की समस्याओं को लेकर सौंपा ज्ञापन

शिवपुरी। राष्ट्रीय सफाई कर्मचारी मजदूर यूनियन ने सफाई कर्मचारियों की विभिन्न समस्याओं को लेकर सीएमओ नगर परिषद कोलारस को एक ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में सफाई कर्मचारियों की समस्याओं का जल्द निराकरण किए जाने की मांग की गई।

ये रखी मांगे : 1. नगर परिषद में पदस्थ सफाई कर्मचारियों का ईपीएफ कटोत्रा नहीं किया जा रहा है अत- कटोत्रा कर नियुक्ति दिनांक से आज तक का ईपीएफ कटोत्रा जमा कराया जाए।

2. संविदा सफाई कर्मचारियों एवं अन्य कर्मचारियों को 3 हजार से 6 हजार के बीच में अलग-अलग रेट से वेतन का भुगतान किया जा रहा है जो कि न्यूनतम वेतन अधिनियम 1948 का उल्लंधन है अर्थात कलेक्टर शिवपुरी द्वारा जारी न्यूनतम मजदूरी दर अकुशल 8700 रुपए, अर्धकुशल 90557 व कुशल को 10935 रुपए की दर से वेतन भुगतान किया जाए।

3. आदर्श कर्मिक संरचना के तहत रिक्त पदों पर विनियमित सफाई कर्मचारियों को नियमित किया जाए। सफाई कर्मचारी मृतक अन्नू बाई के वारिस को अनुकंपा नियक्ति दी जाए। सेवा निवृत्त एवं सेवारत कर्मचारियों को क्रमोन्नति का लाभ दिया जाए।

प्रभारी मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया आज और कल होंगे 2 दिवसीय दौरे पर

शिवपुरी। मध्यप्रदेश शासन के पंचायत एंव ग्रामीण विकास विभाग के मंत्री एंव शिवपुरी जिले के प्रभारी मंत्री महेन्द्र सिंह सिसौदिया 2 दिवसीय दौरे पर शिवपुरी आ रहे हैं। जारी कार्यक्रम के अनुसार प्रभारी मंत्री सिंसौदिया आज दिनांक 11 जुलाई को दोपहर 3:00 बजे गुना से फोरलाईन से कार से रवाना होगें और शाम 5-00 बजे शिवपुरी पहुंचेगें। वह कल 12 जुलाई को 11-00 बजे योजना समिति की बैठक में भाग लेंगें,दोपहर 1-00 बजे कोरोना रोकथाम समीक्षा बैठक,दोपहर 2:00 बजे जिला चिकित्सालय एंव मेडिकल कॉलेज का निरिक्षण कर 2:30 बजे पत्रकार वार्ता,3-30 बजे कार्यकर्ताओ से भेट,4:30 बजे नागरिको से संपर्क और 6-00 बजे शिवपुरी से भोपाल के लिए प्रस्थान करेंगें।

कब्जा रोकने गए वनरक्षक को अतिक्राम को ने पीटा बर्दी फड़ी

नवनीत एक्सप्रेस प्रतिनिधि शिवपुरी। कोलारस के सानवारा बीट में पदस्थ वन रक्षक रामचरण केवट को शुक्रवार को एक युवक ने अपनी पत्नी और बेटे के साथ मिलकर पीट दिया और उसकी वर्दी फाड़ दी। पीड़ति वन रक्षक को वन विभाग की जमीन पर अतिक्रमण कर खेती करने की सूचना मिलने पर वह पहुंचा था। और उसने अतिक्रामको को खेती करने से रोक दिया था। जिस पर पुलिस ने मामले में चारों आरोपियों के खिलाफ शासकीय कार्य में बाधा सहित अन्य धाराओं में प्रकरण दर्ज कर लिया है। जानकारी के अनुसार वन रक्षक राम चरण केवट को सूचना मिली थी कि सनवारा बिट में वन भूमि की जमीन पर आरोपी हरथुमा ने कब्जा कर लिया है। और उस पर खेती करने की तैयारी कर रहा है। इस सूचना पर वन रक्षक मौके पर पहुंचा और उसने आरोपी हरथुमा को रोका तो वह गाली गलौज पर उतर आया। बाद में उसकी पत्नी दोनों पुत्र वहां आ गए और चारों ने मिलकर उसके साथ मारपीट शुरू कर दी। इसी दौरान एक आरोपी ने उसकी वर्दी फाड़ दी वही उसकी पत्नी ने उसे धमकी दी कि अगर वह यहां आया तो उसे दुष्कर्म के केस में फंसा देगी।

अभाविप के स्थापना दिवस पर किया मेधावी छात्र सम्मान कार्यक्रम का आयोजन जिसमे जिले के 35 छात्रों का किया सम्मान

शिवपुरी।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद शिवपुरी द्वारा अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद के क्षेत्र में स्थापना दिवस एवं राष्ट्रीय विद्यार्थी दिवस के उपलक्ष में पीजी कॉलेज में मेधावी छात्र छात्राएं का सम्मान किया गया जिसमें नगर मंत्री विवेक धाकड़ ने बताया कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद आज शनिवार को 73 वर्ष पूरे कर लिए हैं। चुनौतियों का सामना करते हुए विद्यार्थी परिषद ने शनिवार को विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन बन पाया है। इस उपलक्ष में विद्यार्थी दिवस के शुभ अवसर पर इकाई शिवपुरी द्वारा और मेधावी छात्र छात्राओं का सम्मान किया गया जिसके वो हकदार हैं। जिसमें सर्वप्रथम मां सरस्वती एवं युवाओं के प्रेरणा स्त्रोत स्वामी विवेकानंद जी के चित्र पर माल्यार्पण कर कार्यक्रम प्रारंभ किया गया तत्पश्चात अतिथियों का स्वागत किया गया सर्वप्रथम परिषद वक्ता के रूप में जिला संयोजक मयंक राठौर ने अपने भाषण में कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद महज एक छात्र संगठन ने नहीं बल्कि एक विश्व का सबसे बड़ा सामाजिक संगठन है जिस तरीके से गंगोत्री से गंगा निकलती है। और चारों दिशाओं में पड़ जाती है उसी प्रकार विद्यार्थी परिषद वह विश्वविद्यालय यहां से कार्यकर्ता निकलकर अपनी प्रतिभा के अनुसार विभिन्न क्षेत्रों में जाता है। और सर्वोच्च स्थान प्राप्त करता है देश की आजादी से लेकर आज तक विद्यार्थी परिषद में कई जन आंदोलन खड़े किए हैं। जो राष्ट्र हित में आवश्यक थी जब 1990 में जम्मू कश्मीर के लाल चौक पर झंडे का अपमान किया जाता है। तो विद्यार्थी परिषद का छात्र वहां जाकर कहता है यहां हुआ तन्वी का अपमान नहीं करेंगे तिरंगे का सम्मान और नारा दिया एटम बम एटम बम एबीवीपी एटम बम एक कार्यकर्ता अपने आप में एक जो देश के ऊपर आंख उठाकर देखने वालों कोपल में उड़ा सकता है आगे विशिष्ट अतिथि नवनीत सेन ने कहा कि अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद अपने स्थापना काल से ही संघर्ष करता है। और विद्यार्थी परिषद एकमात्र गैर राजनीतिक संगठन जो दलगत राजनीति से ऊपर उठकर कार्य करता है और सामाजिक क्षेत्र में अपनी अग्रणी भूमिका निभाता है आगे मुख्य वक्ता विभाग संयोजक प्रकृति शर्मा ने बताया कि स्वामी विवेकानंद जी सदैव हमारे आदर्श रहे हैं। स्वामी विवेकानंद जी हमें सिखाते हैं कि किस प्रकार से हमें अपना संघर्ष और सामाजिक भूमिका तय करनी है हमें अपने अधिकार के लिए सदैव संघर्ष बान रहना चाहिए आज हमें पढ़ाया जाता है की अकबर महान था अकबर द ग्रेट क्या कभी हमें नहीं लगता हमारे पूर्वज शिवाजी रानी लक्ष्मीबाई महाराणा प्रताप का इतिहास मुख्य रूप से पढ़ाना चाहिए इसके बाद सभी छात्र छात्राओं का प्रशस्ति पत्र मेडल और स्वामी विवेकानंद जी के जीवन परिचय की पुस्तक पुरस्कार स्वरूप सभी छात्रों को दी गई जिसमें नगर उपाध्यक्ष कौशल यादव एवं एकता शर्मा जी रहे इस कार्यक्रम में मंच संचालन विवेक धाकड़ भानु समाधिया संदीप शर्मा ने किया कार्यक्रम में कार्यक्रम को वर्चुअल व्यवस्था में सोशल मीडिया सह प्रमुख देवेश धानुक मंच व्यवस्था में यीशु शर्मा विक्की रजक अतिथि व्यवस्था में रत्नेश तिवारी रमन राठौर एंट्री व्यवस्था दीपा जाटव रंगोली व्यवस्था में राधिका खंडेलवाल रितिका परमार आस्था जा श्रेया अल्पाहार व्यवस्था अविनाश शर्मा सचिन सारस्वत रोहन पाल इत्यादि कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

पिछड़ा वर्ग के 27 मंत्रियों को शामिल करने पर आयोजित प्रेस बार्ता में नहीं पहुंचे मंत्री सुरेश राठखेडा

शिवपुरी।

केन्द्रीय मंत्रिमंडल विस्तार में पिछड़ा वर्ग के 27 मंत्रियों को शामिल करने पर भाजपा इसे चुनावी मुद्दा बना रही है और इसीलिए प्रदेश में जिला स्तर पर पत्रकारवार्ता आयोजित कर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार व्यक्त किया जा रहा है। लेकिन शिवपुरी में भाजपा जिला संगठन द्वारा आयोजित पत्रकारवार्ता में जिले के मंत्री सुरेश राठखेड़ा नहीं पहुंचे। श्री राठखेड़ा स्वयं पिछडे वर्ग के है और पत्रकारवार्ता में सूचना के दौरान यह बताया गया था कि पत्रकारवार्ता लोकनिर्माण राज्यमंत्री सुरेश राठखेड़ा लेंगे। इस संबंध में जब पत्रकारों ने जिलाध्यक्ष राजू बाथम से सवाल किया तो उनका कहना था कि स्वास्थ्य खराब होने के कारण श्री राठखेड़ा नहीं आए। पत्रकारवार्ता में भाजपा जिलाध्यक्ष राजू बाथम, भाजपा पिछड़ा वर्ग के पदाधिकारी धनपाल यादव, नरोत्तम रावत, जंडेल सिंह गुर्जर आदि उपस्थित थे। पत्रकारवार्ता में जिलाध्यक्ष राजू बाथम ने बताया कि नव गठित केन्द्रीय मंत्रिमंडल में पिछड़ा वर्ग समाज के 27 सांसदों को मंत्री पद प्रदान कर जनहितकारी कार्य किया है

जिलाध्यक्ष राजू बाथम ने बताया कि भारत में 62 प्रतिशत जनसंख्या पिछड़ा वर्ग समाज से आती है और अभी तक किसी भी सरकार ने देश के अंदर रहने वाले पिछड़ा वर्ग समाज की चिंता नहीं की। केवल उन्हें वोट बैंक समझा। लेकिन प्रधानमंत्री मोदी ने देश में निवासरत प्रत्येक जाति धर्म के लोगों की समान चिंता की। हमारे देश के प्रधानमंत्री ने महसूस किया कि जनसंख्या के अनुपात में पिछड़ा वर्ग को समूचित प्रतिनिधित्व नहीं मिल पाया है। तब मोदी सरकार के पहले कार्यकाल में वर्ष 2017 में 123वां संविधान संशोधन विधेयक संसद में प्रस्तुत कर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग के गठन को मंजूरी प्रदान की। साथ ही समाज को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया। दूसरे कार्यकाल में ओबीसी के 27 सांसदों को प्रधानमंत्री मोदी ने मंत्री बनाया।

अंकुर अभियान से जुड़ें और वृक्ष लगाएं : कलेक्टर

शिवपुरी। कलेक्टर अक्षय कुमार सिंह ने सभी जिले वासियों से अपील की है कि अंकुर अभियान से जुड़े और वृक्ष लगाएं। मध्य प्रदेश शासन द्वारा प्रदेश को प्राणवायु से समृद्ध बनाने के लिये जन-सहभागिता से वृक्षारोपण का वृहद अभियान %अंकुर% प्रारंभ किया गया है। वृक्षों द्वारा कार्बन डाई ऑक्साइड का अवशोषण और वातावरण में ऑक्सीजन का उत्सर्जन ब?ाना ही अंकुर अभियान का उद्देश्य है। %अंकुर% कार्यक्रम में जन-सहभागिता के लिये मोबाइल पर %वायुदूत एप% डाउनलोड कर स्व-पंजीयन करना होगा और पौधा रोपकर उसका फोटो अपलोड करना है। फलदार-छायादार वृक्ष का पौध-रोपण और देखभाल करने वाले चयनित प्रतिभागियों को सम्मानित कर उन्हें सहभागिता प्रमाण-पत्र प्रदान किये जाएँगे।वृहद वृक्षारोपण के अभियान %अंकुर% में अधिक से अधिक नागरिक उत्साह के साथ जु?कर इस पुनीत पर्यावरण यज्ञ जन आंदोलन में शामिल हों और पर्यावरण के संरक्षण एवं संवर्धन में अपना योगदान दें।

आईटीबीपी डीआईजी की पहल पर बच्चों को कराया जा रहा सैन्य जीवन से परिचय

बच्चों को मोटिवेट कर देश रक्षा के प्रति किया जा रहा प्रोत्साहित

शिवपुरी। जिले के करैरा आईटीबीपी के प्रति युवाओं का लगाव बढ़े और वह देश सुरक्षा के प्रति जबाबदेह बने इसे लेकर युवाओं को प्रोत्साहन देने का अनुकरणीय कार्य आईटीबीपी आरसीटी डीआईजी सुरिन्दर खत्री के निर्देशन में एक अनूठी पहल की जा रही है। जिसमें प्रत्येक शुक्रवार को दो युवाओं को आईटीबीपी के सैन्य जीवन और आधुनिक हथियारों से परिचय कराकर उन्हें आईटीबीपी ज्वाईन करने के प्रति प्रोत्साहित किया जा रहा है। डीआईजी श्री खत्री ने बताया है कि वर्ष 2022 में स्वतंत्रता दिवस समारोह की वर्ष भर चलने वाली 75वीं वर्षगांठ के हिस्से के रूप में प्रत्येक शुक्रवार को आईटीबीपी आरटीसी करैरा में आईटीबीपी कर्मियों के बच्चों को सैन्य जीवन की विभिन्न गतिविधियों को देखने के लिए आमंत्रित किया जा रहा हैं। इस अभियान के तहत 12वीं कक्षा में पढ़ने वाले आर्यन और 11वीं कक्षा में पढ़ने वाले जतिन नाम के 2 लड़कों को आईटीपी के सैन्य कैंप में आमंत्रित किया गया था डीआईजी श्री खत्री की इस पहल से बच्चों में खुशी का माहौल है व अपनी बारी का बेशब्री से इंतजार भी करते है।

ऑपरेशन के दौरान कैसे किया जाता है हथियारों का इस्तेमाल

युवाओं को आईटीबीपी में किस प्रकार से काम किया जाता है इसे लेकर आर्यन व जतिन को ऑपरेशन के दौरान आईटीबीपी कर्मियों द्वारा इस्तेमाल किए जा रहे विभिन्न हथियारों को दिखाया गया और इनके प्रदर्शनों के बारे में भी बताया जिस पर बच्चों ने हथियारों में गहरी दिलचस्पी दिखाई, बाद में इन लड़कों को डीआईजी सुरिंदर खत्री के साथ बातचीत के लिए ले जाया गया। आधे घंटे की बातचीत के दौरान डीआईजी आरटीसी ने दोनों लड़कों से उनकी पसंद और भविष्य के कैरियर लक्ष्यों को जानने के लिए बात की। एक ने एनडीए तो दूसरे ने इंजीनियर बनने में बताई अभिरूचि डीआईजी सुरिन्दर खत्री से चर्चा के दौरान इन युवाओं ने अपने भविष्य को लेकर भी चर्चा की जिसमें जतिन जो कि सहायक कमांडेंट भवर सिंह के बेटे हैं।

क्रिकेट की प्रतिभाओं को निखारने पूर्व खिलाड़ी बच्चों को देगा निःशुल्क प्रशिक्षण

शिवपुरी।

जिले में क्रिकेट की प्रतिभाओं को निखारने के लिए स्वयं आगे आकर एक युवा क्रिकेट खिला?ी कपिल यादव ने अनूठी पहल की है। जिसमें उन्होंने प्रयास किया है कि वह अपने अनुभवों को साझा कर ऐसे युवाओं को क्रिकेट के क्षेत्र में निखारने का कार्य करेंगें जो कहीं ना कहीं अर्थाभाव के कारण छिपी हुई है। ऐसे में इस अर्थाभाव को दूर कर जनहित में प्रतिभाओं के लिए एक अनूठी योजना बनाकर एक नेट्स (चार विकेट) एसटो टर्फ यानि पॉली ग्रास मैदान का निर्माण कराने की तैयारी की है। इसे लेकर अब वह लोग जो इस क्रिकेट के हुनर को निखारने में अपना योगदान देना चाहते है ऐसे सेवाभावी लोग भी आगे आकर इन खिलाडियों का प्रोत्साहन कर सकते है। इसे लेकर युवा क्रिकेट कपिल यादव के द्वारा यह नेट्स निर्माण स्टेडियम के पास पुरानी शिवपुरी में किया जा रहा है। बता दें, कि युवा क्रिकेटर कपिल यादव स्वयं एक ऐसे युवा क्रिकेटर है जिन्होंने शिवपुरी का नाम ना केवल शिवपुरी जिला, संभाग, प्रदेश ही नहीं बल्कि देश और विदेशों में भी रोशन किया है। वह स्वयं राजस्थान क्रिकेट क्लब से खेल चुके हैं और अपने इस अनुभव को वह एक निशुल्क क्रिकेट एकेडमी खोलकर उन बच्चों को समर्पित करना चाहते है। कपिल ने कहा कि हमारे पास क्रिकेट के बेहतरीन खिला?ी है लेकिन उचित व्यवस्थाऐं और कोच ना मिलने के कारण वह अपनी प्रतिभा को दबा देते है।

कनेक्शन के बाद भी कई बालों में पानी न पहुंचने से हो रही लोगों को परेशानी

मर्डर केस के लोग नगरपालिका के खिलाफ हुए लामबंद प्रभारी मंत्री ने करेंगे शिकायत

शिवपुरी।

सिंध जलवर्धन योजना के तहत शहर में नल कनेक्शनों की प्रक्रिया चल रही है कई बार ऐसे हैं जिनमें नलों के कनेक्शन तो हो चुके हैं लेकिन नलों से पानी नहीं आ रहा है ऐसी स्थिति में इस भीषण गर्मी में लोगों को पेयजल की किल्लत हो रही है वहीं जिन लोगों के कनेक्शन हो गए हैं उनके बिल भी बिना पानी के शुरू हो गए हैं जिससे आमजन परेशान है वार्ड क्रमांक एक केस में पानी की किल्लत से परेशान होकर बाढ़ बार्शी नगरपालिका के खिलाफ लामबंद हो गए हैं और शिवपुरी के दो दिवसीय प्रवास पर आ रहा है प्रभारी मंत्री महेंद्र सिंह सिसोदिया से इस समस्या को लेकर शिकायत करने की बात कह रहे हैं जानकारी के मुताबिक वार्ड क्रमांक 31 में पेयजल समस्या काफी गंभीर बनी हुई है लोगों ने घरों में नलों के कनेक्शन इस उम्मीद में कराए थे कि उन्हें सिंध का पानी नसीब होगा और पानी की हो रही किल्लत से निजात मिलेगी लेकिन नल कनेक्शन के बाद भी सिंध का पानी उनके घरों तक नहीं आए जिससे वार्ड वासियों की उम्मीदों पर पानी फिर गया है ऐसी स्थिति में लोगों का नगरपालिका के खिलाफ गुस्सा फूट गया है। और लोग नगरपालिका की कॉपी करते तो कर आंदोलन की रात तैयार कर रहे हैं इससे पूर्व वार्ड के लोग सुप्रभात पर आने वाले प्रभारी मंत्री मनीष सिसोदिया से मुलाकात कर उनके समक्ष अपनी समस्याएं रखेंगे और उनसे मांग करेंगे कि उनके नलों से जल्द से जल्द पानी घर तक पहुंचाया जाए।

रसीद कटाई महीने बीते लेकिन नहीं हुए कनेक्शन

नगर पालिका ने जल वर्धन योजना के तहत घर घर नल के कनेक्शन देने की योजना तैयार की है और न लो के कनेक्शन के लिए शेयर वासी नगर पालिका में पहुंच रहे हैं जहां वह 2700 रुपये नल कनेक्शन की राशि जमा कर इस उम्मीद से कर रहे हैं कि उन्हें पानी की किल्लत से निजात मिलेगी लेकिन नगरपालिका और ठेकेदारों की लापरवाही के कारण नल कनेक्शन की रसीद काटने के दो 2 महीने बीत जाने के बाद भी लोगों के कनेक्शन नहीं हो रहे हैं और उन्हें अब पानी का बिल भी आना शुरू हो गया है ऐसी स्थिति में आमजन ठेकेदारों की लापरवाही के कारण आर्थिक नुकसान भी झेल रहे हैं। वार्ड नंबर 27 में रहने वाले सूरज भाई यादव का कहना है कि उन्होंने अपने नाम से दो कनेक्शन के लिए 54 ?100 1 माह पूर्व जमा किए थे जिसकी रसीद भी उनके पास है लेकिन उनका आज दिनांक तक कनेक्शन नहीं हुआ ठेकेदार श्री लाल कुशवाहा से कई बार वेतन पर कर चुकी हैं लेकिन हर बार ठेकेदार उन्हें कनेक्शन करने का आश्वासन देकर मामले को टाल रहा है

जहां पानी की लाइन नहीं वहाँ भी नगर पालिका ने काटी रसीद

शहर के कई स्थान ऐसे हैं जहां पानी की लाइन डाली नहीं गई और नगरपालिका ने वहां के लोगों के कनेक्शन करने के लिए 2700 रुपये जमा कराकर उन्हें रसीद भी थमा दी। ग्वालियर बाईपास पर एलएनटी धर्म कांटे के पास पानी की पाइप लाइन ना होने के बावजूद भी वहां रहने वाले ललित मोहन गोयल को नगर पालिका ने ?27 की रसीद यहां के कर काट दी कि वह लाइन डली हुई है और कनेक्शन लेने पर उन्हें नल कनेक्शन मिल जाएगा रसीद कटाए लगभग ढाई महीने से ज्यादा हो गया इसके बाद भी वहां कनेक्शन नहीं कराया गया जब श्री गोयल ने नगरपालिका के अधिकारियों से कनेक्शन ना होने की शिकायत की तो उन्हें बताया गया कि उस जगह लाइन ही नहीं है इसके बाद फ्री कोयला नगर पालिका की इस लापरवाही के चलते न्यायालय की शरण लेने की तैयारी कर रहे हैं।

मोदी सरकार सरकार ने पिछड़ा वर्ग समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया: नाथू सिंह गुर्जर

मंत्रिमंडल में अभूतपूर्व प्रतिनिधित्व के लिए पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने जताया प्रधानमंत्री का आभार

भिण्ड। आजादी के बाद से कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के कल्याण की सिर्फ बातें करती रहीए किया कुछ नहीं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी जो कहती हैए उस पर अमल करना भी जानती है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा हाल ही में किया गया मंत्रिमंडल का विस्तार इसका उदाहरण है। सबका साथए सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के अनुरूप इस मंत्रिमंडल में पिछड़ा वर्ग के सांसदों को पहली बार इतनी बड़ी संख्या में प्रतिनिधित्व दिया गया है। मोदी सरकार का यह मंत्रिमंडल विस्तार अंत्योदय की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह बात भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने भिंड सर्किट हाउस पर मीडिया से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल में पिछड़ा वर्ग के 27 सांसदों को शामिल किए जाने पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। और कहा कि अन्य राजनीतिक दल पिछड़ा वर्ग समाज के उत्थान की बात नहीं करते मातृ समाज को तोड़ने का काम करते हैं और उनके वोट बैंक के साथ राजनीति करते हैं देश में ऐसा ही एक राजनीतिक दल है भारतीय जनता पार्टी जो सर्व समाज को साथ लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय जी के अंत्योदय मिशन के साथ विकास की दिशा में काम करती है।

भाजपा जिला अध्यक्ष गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी की सरकार से पहले केंद्र में ऐसी कई ऐसे दलों की सरकारें रही हैंए जिनके लिए पिछड़ा वर्ग सिर्फ वोटबैंक रहा है। यहां तक कि ऐसे क्षेत्रीय दल जिनकी राजनीति का आधार ही जाति और वर्ग रहे हैंए उन्होंने भी पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि देश की कुल आबादी का 52 प्रतिशत इस वर्ग में आता है, लेकिन इन दलों ने कभी भी ओबीसी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया। हाल ही के मंत्रिमंडल विस्तार में प्रधानमंत्री श्री मोदी ने पहली बार ओबीसी के 27 सांसदों को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया हैए जो 15 राज्यों से हैं। इनमें से पांच को कैबिनेट मंत्री और 22 को राज्यमंत्री बनाया गया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस निर्णय से देश में पहली बार ओबीसी को मंत्रिमंडल में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिला है। और कांग्रेस ने आज तक देश और प्रदेशों में राजनीति शासन किया लेकिन पिछड़ा वर्ग समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का

कोई कार नहीं दिया उन्होंने कहा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्रधानमंत्री आवास योजना उज्ज्वला योजना आयुष्मान भारत योजना राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर समाज के लोगों को उचित न्याय दिलाने का काम किया है जिससे हमारा समाज आज गदगद है। भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष वरिष्ठ अभिभाषक अमृतपाल सिंह बघेल ने कहा कि वर्ष 2014 में जब से केंद्र में प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार बनी हैए यह सरकार सभी वर्गों के साथ.साथ पिछड़ा वर्ग के हितों की भी चिंता करती रही है। पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री के इस निर्णय से पूरे देश में पिछड़ा वर्ग के लोगों में हर्ष व्याप्त है और वे गर्व महसूस कर रहे हैं। बघेल ने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार पिछड़ा वर्ग को यह सम्मान मिला है और इसके लिए प्रदेश का पिछड़ा वर्ग मोर्चा इस वर्ग के सभी लोगों की ओर से प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करता है। पत्रकार वार्ता में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य रामअवतार शिवहरे, देवेंद्र सिंह बघेल, दशरथ सिंह गुर्जर, जिला महामंत्री सत्यवान सिंह नरवरिया, राम सिंह कुशवाहा, सरपंच रमेश सिंह बघेल, पूर्व सरपंच दिलीप सिंह आदि मौजूद रहे।

एंडोरी ग्राम में दो मकानों को चोरों ने बनाया निशाना, गहने-नगदी किये चोरी

गहरी नींद में सो रहे थे परिजन, चोरों ने दबे पांव किया माल पार

भिण्ड। गोहद थाना क्षेत्र के एंडोरी में अज्ञात चोरों ने आधी रात को दो मकानों को निशाना बनाकर चोरी की वारदात को अंजाम दिया और मौका पाकर भाग निकले। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है।

पुलिस के अनुसार शुक्रवार-शनिवार रात श्यामवीर सिंह तोमर पुत्र प्रहलाद सिंह तोमर मास्टर के मकान में अज्ञात चोरों ने धाबा बोलकर घर की अलमारी में रखे गहने 1 नग सीतारानी बजनी 8 तोला, तीन लेडीज जंजीर बजनी 5 तोला, 2 हार बजनी 8 तोला, 8 नग चूडी बजनी 5 तोला, 2 नग मंगल सूत्र बजनी 3 तोला, 2 नग जंजीर मर्दानी बजनी 4 तोला, 2 नग लोंग हार बजनी 6 तोला, सारी ज्वैलरी पुत्र बधु ओर उनकी लड़की शिल्पी तथा पत्नी की हैं क्यों की दामाद आर्मी मे सर्विस करता हैं, इसलिए लडकी अपनी ज्वैलरी अपनी मां के यहाँ पर छोड गई थी, चांदी लगभग 500 ग्राम नगदी 2.5 लाख सभी समान ग्राहस्वामी ने बताएँगे अनुसार गृह स्वामी घर के दरबाजे पर सो रहा था पुत्र बधु छत पर बने कमरे मे सो रही थी ओर पत्नी कमरे में दरबाजे मे कूलर लगा कर कमरे के अंदर सो रही थी तो उनको कुछ शुघा कर बेहोस कर छत के रास्ते से चोर बाहर निकल गए। इसी तरह दूसरी चोरी विनोद सिंह तोमर पुत्र

रघुवीर सिंह तोमर के यहां बीस हजार नगदी 3तोला सोना 500 ग्राम चांदी चोर ले गए हैं यहां भी चोर घर के पीछे से छत के रास्ते अंदर प्रवेश हुए हैं ओर कमरे का ताला तोडकर बक्सा उठा कर घर के पीछे समान निकाल कर बक्सा छोड कर चले गए इससे पहले भी गांव मैं बहुत चोरियां हो चुकी है मगर प्रशासन की तरफ से कोई ठोस कदम नहीं उठाया गया हैं। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध

कलेक्ट्रेट परिसर से बाइक चोरी

भिण्ड। देहात थाना क्षेत्र के कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने खड़ी बाइक को अज्ञात चोरों ने निशाना बनाया और चोरी कर रफू चक्कर हो गये। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर अज्ञात चोरों के विरुद्ध मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस के अनुसार शुक्रवार दोपहर 2 बजे श्याम पुत्र प्रेमनारायण भिलवार उम्र 27 वर्ष निवासी नयापुरा खटीक खाना जो कलेक्ट्रेट कार्यालय के सामने किसी काम से गया था और बाइक क्रमांक एमपी30 एमटी 0448 खड़ी कर दी, इसी दौरान चोरों ने उसे पार कर दी।

शासकीय महाविद्यालय के वैक्सीनेशन सेन्टर पर 300 डोज लगाये गये

कोरोना महामारी से बचने स्टाफ सहित छात्र-छात्राओं ने लगाया कोविड-19 का टीका

मेहगांव। शासकीय महाविद्यालय में शनिवार को कोविड-19 वैक्शीनेशन कार्यक्रम सुबह 9 बजे से 4 बजे तक सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र मेहगांव द्वारा वैक्शीनेशन कराया गया, जिसमें महाविद्यालय के समस्त स्टॉफ एवं छात्र/छात्राओं और अन्य सभी को कुल 300 डोज लगाये गये। इस कार्यक्रम में प्राचार्य डॉ.आरके सक्सेना एनसीसी अधिकारी, आरके डबरिया, एनएसएस प्रभारी श्रीमती गिरिजा नरवरिया, सहा. प्राध्यापक अनुग्रह दत्त शर्मा, राधाकृष्ण शर्मा, आलोक मिश्रा, सुनील बंसल एवं सुशील चौधरी आदि समस्त स्टॉफ द्वारा सहयोग किया गया । इसके अतिरिक्त महाविद्यालय में वैक्शीनेशन हेतु व्यवस्था का संचालन एनसीसी कैडेट एसयूओ हेमंत श्रीवास, सरजेन्ट महेन्द्र रावत, शैलेन्द्र शर्मा, हरिशंकर शाक्य, ब्रजमोहन दुबे, अजय राठौर आदि कैडेट एवं एनएसएस की छात्राएं। इस दौरान अंजली, प्रियंका, दीपिका परमार, रानू शर्मा, आकृति, सपना वर्मा एवं समस्त एनएसएस छात्रओं ने किया।

शनिदेव का हुआ तेल से अभिषेक

भिण्ड। शनिवार को शनिवारी अमावस्या होने के कारण शनिदेव मंदिर में करीव 9 किलो सरसों के तेल से महामस्तकाभिषेक किया गया जिसमें पंडितों द्वारा मन्त्र उच्चारण करते हुए अभिषेक कर न्याय के देवता शनिदेव की पूजा अर्चना की इटावा रोड स्थित कुंडेश्वर महादेव मंदिर प्रांगण में विराजमान शनिदेव भगवान प्रतिमा पर आज शनिवारी अमावस्या को समस्त भक्तो सहित महन्त श्री मोहनमुनी मोनू महाराज ने शनिदेव भगवान का 9 किलो तेल से अभिषेक कर विश्व व राष्ट में ब्याप्त कोरोना महामारी से मानव जीवन की रक्षा करने की प्रार्थना की जिसमे मन्दिर पुजारी अर्जुन पंडित सहित समस्त भक्तगण कुंडेश्वर

जिले में नेशनल लोक अदालत का हुआ आयोजन

परिवार न्यायालय के 20 प्रकरणों का हुआ निराकरण

भिण्ड। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण जबलपुर के आदेशानुसार नेशनल लोक अदालत का प्रधान जिला न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड के निर्देशानुसार एवं जिला न्यायाधीशध्सचिव जिविसेप्रा भिण्ड सुनील दण्डौतिया के मार्गदर्शन में आयोजन किया गया। प्रधान जिला न्यायाधीशध्अध्यक्ष जिला विधिक सेवा प्राधिकरण भिण्ड अक्षय कुमार द्विवेदी के द्वारा मॉ सरस्वती पर माल्यार्पण कर एवं द्वीप प्रज्जवलित कर लोक अदालत का शुभारंभ एण्डीण्आरण्सेन्टर जिला विधिक सेवा प्राधिकरण जिला न्यायालय परिसर भिण्ड में किया गया। लोक अदालत के शुभारंभ के अवसर पर विशेष न्यायाधीश सुनील कुमार श्रीवास्व, प्रधान न्यायाधीश कुटुम्ब न्यायालय भिण्ड अजय कुमार गर्गए जिला न्यायाधीशध्सचिव जिविसेप्रा भिण्ड सुनील दण्डौतिया एवं जिला न्यायालय के समस्त न्यायिक अधिकारीगणए अभिभाषकगणए जिला विधिक सहायता अधिकारी भिण्ड देवेश शर्माए पुलिस विभाग की ओरएएसपी भिण्ड कमलेश कुमार आदि उपस्थित रहे।

लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु जिला मुख्यालय भिण्ड एवं न्यायिक तहसील मेहगांवए गोहद एवं लहार हेतु कुल 24 न्यायिक खण्डपीठों का गठन किया गया। जिसमें से जिला मुख्यालय भिण्ड एवं तहसील मेहगांवए गोहद एवं लहार में लंबित कुल न्यायालयीन प्रकरण संख्या 444 प्रकरणों का निराकरण किया गया जिसमें कुल 980 पक्षकार लाभान्वित हुए तथा राशि 5868377 का अवार्ड पारित किया गया। इसके अतिरिक्त परिवार न्यायालय के 20 प्रकरणों का निराकरण हुआ। कुल 20 जोडों द्वारा आपसी मदभेदों को भुलाकर नये सिरे से जीवन प्रारंभ करने का फैसला लिया। उक्त प्रकरणों के अतिरिक्त प्रीलिटिगेशन जिनमें जलकर सम्पत्तिकरए विद्युत बीएसएनएल बैंक आदि के कुल प्रीलिटिगेशन प्रकरण 1245 का निराकरण किया गया जिसमें 1277 व्यक्तियों को लाभांवित किया गया उक्त प्रीलिटिगेशन प्रकरणों में कुल 6984068 राशि वसूल की गई। प्रधान जिला न्यायाधीश भिण्ड श्री अक्षय कुमार द्विवेदी के द्वारा नेशनल लोक अदालत के सफल आयोजन हेतु समस्त न्यायाधीशगणए बीमा कम्पनी के

विद्यार्थी परिषद् ने धूमधाम से मनाया 73वां स्थापना दिवस

मेहगांव। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद् के 73 वें स्थापना दिवस पर मेहगांव इकाई के कार्यकर्ताओं द्वारा संगोष्ठी और माल्यार्पण का कार्यक्रम स्वामी विवेकानंद परिसर, नगर परिषद में आयोजित किया गया। मुख्यवक्ता के रूप में प्रांत कार्यकारणी सदस्य सचिन भदौरिया उपस्थित रहे। श्री भदौरिया ने बताया कि विद्यार्थी परिषद् आजादी के बाद से ही पिछले 73 वर्षों से शिक्षा के क्षेत्र में काम करने वाला एक मात्र छात्र संगठन है। अभाविप विश्व का सबसे बड़ा छात्र संगठन बनकर विश्व के अनेक देशों में कार्यरत है। परिषद् की कार्यशैली, अनुशासन, राष्ट्रीय प्रेम परिषद् को अद्वितीय बना देता है। संगठन ने आज देश को ऐसा नेतृत्व दिया हैए जो वर्तमान राजनीति में देश के विभिन्न क्षेत्रों में देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है।

इस दौरान नगर अध्यक्ष आनन्द मोहन जैन सर ने बताया की परिषद् के कार्यकर्ता वर्षभर हर परिस्थिति में छात्र हित और समाज के लिए कार्य करते है। वर्तमान में विश्व में फैली आपदा कोविड-19 दौरान कार्यकर्ताओं केसहयोग से आरोग्यम आभियान चलाकर गरीबों को राशन वितरण, रक्तदान, मास्क व सेनेटाइजर का वितरणए गांवों में सैनेटाइजेशन किया। इसी अभियान के अंतर्गत डोर टू डोर जा कर 4229 व्यक्तियो की जांच व स्वास्थय की जानकारी ली। हर तरह सामाजिक के कार्यों में प्रशासन की मदद की है। विद्यार्थी परिषद् की यही विशेषता है। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के रूप से सुशील चौधरी सर उपस्थित रहे। कार्यक्रम की अध्यक्षता नगर उपाध्यक्ष मनोज कुमार श्रीवास ने की। कार्यक्रम के अंत में नगर इकाई उपाध्यक्ष मनोज कुशवाह ने किया। इस दौरान अभिषेक डंडोतिया, अवनीश त्यागी, प्रशांत शर्मा, ऋषभ भदौरिया, नितिन बघेल, नित्यम तिवारी आदि कार्यकर्ताओं सहित दो सैकड़ा से अधिक छात्र उपस्थिति रहे।

हर घर में स्वस्थ आहार होगा तभी स्वस्थ समाज होगा: मुकुल राय

शिविर के दौरान एचआर महाप्रबंधक ने कुसमा देवी को स्मृति चिन्ह देकर किया सम्मानित

भिण्ड। हर घर में स्वस्थ आहार होगा तभी स्वस्थ समाज होगा, इसके लिए स्वस्थ भोजन के साथ हरी सब्जियों का सेवन और खाद मुक्त जीवन के लिए संपूर्ण आहार जरूरी है यह बात सूर्या फाउंडेशन के द्वारा आयोजित पोषण वाटिका के कार्यक्रम में मुख्य अतिथि सूर्या रोशनी के एचआर महाप्रबंधक श्री मुकुल राय ने गोहद क्षेत्र के सिंघवारी गांव में कहीं। इस दौरान महिलाओं को हरी सब्जी के बीज उसके पैकेट वितरित किए गए। पोषण वाटिका कार्यक्रम में अतिथि वरिष्ठ उद्यानिकी विभाग अधिकारी लाखन सिंह भदौरिया ने कहा यदि समाज के प्रत्येक घर इस पहल को पूरा करेंगे तो इस महंगाई के दौर में अपने घर खर्च को कम कर सकते हैं और अच्छा आहार का भी लाभ के साथ अस्पताल जाने से भी बच सकते हैं। कार्यक्रम में अतिथि के रूप में कृषि अधिकारी कमलेश शर्मा ने कहा कि हमारा देश आत्मनिर्भर भारत था हमारे पूर्वज बाजारों पर निर्भर नहीं थे वह सारे कार्य अपने गांव में ही पूर्ण कर लेते थे हम इस छोटी सी पहल से बाजार की निर्भरता को कम कर सकते है। कार्यक्रम में समाज सेवा के लिए एचआर महाप्रबंधक मुकुल राय ने कुसमा देवी को स्मृति चिन्ह देकर सम्मानित किया कार्यक्रम में उद्यान विभाग के अधिकारी अतर सिंह राजपूत एवं सूर्या फाउंडेशन से शिवकुमार, अशोक कुमार,सेवाभावी कविता, अनिल, रेखा जर्मन, आकाश, धर्मेंद्र एवं गांव के वरिष्ठजन उपस्थित रहे।

पेड-पौधों के बिना मनुष्य जीवन संभव नहीं: शुक्ला'

भिण्ड। पेड-पौधे ही पर्यावरण के रक्षक होने के साथ उनको स्वच्छ भी बनाते हैं। इसके बिना कोई भी अपने जीवन की संभावना नहीं कर सकता है। इसलिए लोगों को पेड-पौधों को लगाने के लिए आगे आना चाहिए। लेकिन वर्तमान में लोग अपने भौतिक सुख.सुविधाओं के लिए जंगल काटकर इस धरती को पेड विहीन बना रहे हैं। यह बात ग्राम पडकोली में हमारा गांव हमारा घर फाउंडेशन के द्वारा वृक्षारोपण कार्यक्रम में नगर कांग्रेस के महामंत्री एवं फाउंडेशन के सह्योजक विवेक शुक्ला ने कही। उन्होंने कहा कि पेड-पौधे अगर कम होते गए तो ग्लोबल वार्मिंग की समस्या और अधिक पैदा होने लगेगी। जिसका असर वर्तमान में दिखाई भी दे रहा है। और कोरोना संकट के समय आक्सीजन की किल्लत ने हम सब आने वाले समय मे भविष्य के प्रति सचेत किया है।

घाटी में अमन

जम्मू-कश्मीर के राजौरी में सेना के जवानों ने आतंकियों की घुसपैठ की एक बड़ी कोशिश नाकाम कर दी। सुंदरबनी इलाके में घुसपैठियों और जवानों के बीच हुई फायरिंग में दो पाकिस्तानी आतंकी ढेर हो गए। घटना में दो जवान भी शहीद हो गए। इससे पहले सेना ने कुलगाम और पुलवामा में छह आतंकियों को मार गिराया। मारे गए आतंकी लश्कर-ए-तैयबा से जुड़े हुए थे। पिछले एक सप्ताह में 10 से ज्यादा आतंकी मारे जा चुके हैं। जम्मू-कश्मीर में बीते 30 साल से जारी आतंक को खत्म करने के लिए सेना और पुलिस ने एक नया पैटर्न अपनाया है। वह है-किसी भी घटना या हमला होने से पहले ही आतंकियों को मार गिराना। इसका नतीजा यह हुआ कि आतंकी घटनाएं कम हुईं और आतंकियों के मरने की संख्या ज्यादा। आंकड़े भी इस बात की गवाही देते हैं। वर्ष 2020 में जम्मू-कश्मीर में 100 से ज्यादा ऑपरेशन चलाए गए। इनमें 90 कश्मीर और 13 जम्मू में हुए। इस दौरान कुल 225 आतंकी मारे गए। जिनमें से 207 कश्मीर और 18 जम्मू में मारे गए। इस दशक में तीसरी बार ऐसा हुआ है, जब सालभर में 200 से ज्यादा आतंकी मारे गए। इससे पहले 2018 में 257 और 2017 में 213 आतंकी मारे गए थे। हालांकि, 2020 में आतंकियों के खिलाफ कार्रवाई में 62 जवान शहीद हुए। इनमें 44 जवान पैरामिलिट्री फोर्स के थे और 16 जवान पुलिस के थे। जम्मू-कश्मीर में 1990 से आतंकवाद पनपना शुरू हुआ। 1990 में 4 हजार 158 आतंकवादी घटनाएं हुईं और 564 आतंकी मारे गए। सुरक्षाबलों के भी 155 जवान शहीद हुए। तब से अब तक यहां 71 हजार 410 आतंकी घटनाएं हो चुकी हैं। 25 हजार 137 आतंकी मारे गए हैं। 2020 में जम्मू-कश्मीर में सिर्फ 143 आतंकी घटनाएं हुईं। ये आंकड़ा 30 साल में सबसे कम है। 2020 इसलिए भी याद किया जाएगा, क्योंकि ये पहला साल था, जब आतंकी घटनाएं कम हुईं और आतंकी ज्यादा मरे। साल 2020 में जम्मू-कश्मीर में पत्थरबाजी की 255 घटनाएं सामने आईं। ये 2019 की तुलना में 87 फीसदी कम है। 2019 में पत्थरबाजी की एक हजार 999 घटनाएं हुई थीं। इनमें भी एक हजार 193 घटनाएं अनुच्छेद 370 हटने के बाद दर्ज हुई थीं। एक समय था जब जवानों पर पथराव की घटनाएं आम बात थीं। हर शुक्रवार को नमाज के बाद युवाओं का बाहर आना और पाकिस्तान के झंडे के साथ प्रदर्शन करना देखा जाता था। मगर मोदी सरकार ने आने के बाद अलगाववादियों पर जो शिकंजा कसा, उसका असर अब दिखने लगा है। आंकड़े खुद गवाही दे रहे हैं कि घाटी का माहौल किस हद तक सुधर चुका है। घाटी में सेना को फ्री हैंड करने के बाद न सिर्फ आतंकियों के हौसले पस्त हुए, बल्कि उनकी रहनुमाई करने वाले भी छिप गए। आतंकियों को मदद मिलनी बंद हो गई, तो पाक से आने वाले आतंकियों को यहां जमीन तलाशना भारी पडऩे लगा। जो घुसपैठ करके आए, वे मंसूबे पूरे करने से पहले ही मारे गए। पिछले कुछ वर्षों में जिस तरह से बड़े आतंकी एक के बाद एक मारे गए, उससे घाटी के युवाओं में भी डर बैठा और उनका आतंक की तरफ से रुझान हटा। हालांकि, अब भी चुनौती बाकी है। कुछ लोग हैं जो आतंक को पालने-पोषने की फिराक में बैठे हैं, उनसे संभल कर रहना होगा। अब केंद्र सरकार जम्मू-कश्मीर में फिर से लोकतंत्र की बहाली की ओर कदम बढ़ा रही है। चुनाव आयोग का एक दल वहां पहुंचा है। उम्मीद जताई जा रही है कि अगले कुछ माह में चुनाव कराए जा सकते हैं। मगर यह तभी संभव है, जब आतंकियों पर पूरी तरह लगाम लगे।

अनेक समस्याओं की जड़ है जनसंख्या वृद्धि

योगेश कुमार गोयल

पूरी दुनिया की आबादी इस समय करीब 7.6 अरब है, जिसमें सबसे ज्यादा चीन की आबादी 1.43 अरब है जबकि भारत आबादी के मामले में 1.35 अरब जनसंख्या के साथ विश्व में दूसरे स्थान पर है। विश्व की कुल आबादी में से 17.85 फीसदी लोग भारत में रहते हैं और दुनिया के हर 6 नागरिकों में से एक भारतीय है। अगर भारत में जनसंख्या की सघनता का स्वरूप देखें तो जहां 1991 में देश में जनसंख्या की सघनता 77 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर थी, 1991 में बढ़कर वह 267 और 2011 में 382 व्यक्ति प्रति वर्ग किलोमीटर हो गई। भारत में बढ़ती आबादी के बढ़ते खतरों को इसी से बखूबी समझा जा सकता है कि दुनिया की कुल आबादी का करीब छठा हिस्सा विश्व के महज ढ़ाई फीसदी भूभाग पर ही रहने को अभिशप्त है। जाहिर है कि किसी भी देश की जनसंख्या तेज गति से बढ़ेगी तो वहां उपलब्ध प्राकृतिक संसाधनों पर दबाव भी उसी के अनुरूप बढ़ता जाएगा। आंकड़ों पर नजर डालें तो आज दुनियाभर में करीब एक अरब लोग भुखमरी के शिकार हैं और अगर आबादी इसी प्रकार बढ़ती रही तो भुखमरी की समस्या एक बहुत बड़ी वैश्विक समस्या बन जाएगी, जिससे निपटना इतना आसान नहीं होगा। बढ़ती आबादी के कारण ही दुनियाभर में तेल, प्राकृतिक गैसों, कोयला इत्यादि ऊर्जा के संसाधनों पर दबाव अत्यधिक बढ़ गया है, जो भविष्य के लिए बड़े खतरे का संकेत है। जिस अनुपात में भारत में आबादी बढ़ रही है, उस अनुपात में उसके लिए भोजन, पानी, स्वास्थ्य, चिकित्सा इत्यादि सुविधाओं की व्यवस्था करना किसी भी सरकार के लिए आसान नहीं है।

जनसंख्या संबंधी संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट का आकलन करें तो चौंकाने वाले तथ्य सामने आते हैं। रिपोर्ट के मुताबिक वर्ष 2050 तक एशिया महाद्वीप की आबादी पांच अरब हो जाएगी और सदी के अंत तक दुनिया की आबादी 12 अरब तक पहुंच जाएगी। 2024 तक भारत और चीन की जनसंख्या बराबर हो जाएगी और 2027 में भारत चीन को पछाड़कर विश्व का सर्वाधिक आबादी वाला देश बन जाएगा। रिपोर्ट के अनुसार 2050 तक चीन की आबादी 140 करोड़ होगी जबकि भारत की आबादी 165 करोड़ तक पहुंचने का अनुमान है। संयुक्त राष्ट्र की इस रिपोर्ट के मुताबिक भारत में प्रतिवर्ष आस्ट्रेलिया की कुल जनसंख्या के बराबर बच्चों का जन्म होता है। हालांकि हम इस बात पर थोड़ा संतोष व्यक्त कर सकते हैं कि जनसंख्या वृद्धि दर के वर्तमान आंकड़ों की देश की आजादी के बाद के शुरूआती दो दशकों से तुलना करें तो 1970 के दशक से जनसंख्या वृद्धि दर में निरन्तर गिरावट दर्ज की गई है लेकिन यह गिरावट दर काफी धीमी रही है। आर्थिक सर्वेक्षण के मुताबिक भारत में पिछले कुछ दशकों में जनसंख्या वृद्धि की गति धीमी हुई है। वर्ष 1971-81 के मध्य वार्षिक वृद्धि दर 2.5 प्रतिशत थी, जो 2011-16 में घटकर 1.3 प्रतिशत रह गई।

पिछले कुछ दशकों में देश में शिक्षा और स्वास्थ्य के स्तर में निरन्तर सुधार हुआ है, उसी का असर माना जा सकता है कि धीरे-धीरे जनसंख्या वृद्धि दर में थोड़ी गिरावट आई है लेकिन यह उतनी भी नहीं है, जिस पर जश्न मनाया जा सके। बेरोजगारी और गरीबी ऐसी समस्याएं हैं, जिनके कारण भ्रष्टाचार, चोरी, अनैतिकता, अराजकता और आतंकवाद जैसे अपराध पनपते हैं और जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण किए बिना इन समस्याओं का समाधान संभव नहीं है। विगत दशकों में यातायात, चिकित्सा, आवास इत्यादि सुविधाओं में व्यापक सुधार हुए हैं लेकिन तेजी से बढ़ती आबादी के कारण ये सभी सुविधाएं भी बहुत कम पड़ रही हैं। जनसंख्या वृद्धि की वर्तमान स्थिति की भयावहता को मद्देनजर रखते हुए पर्यावरण विशेषज्ञों की इस चेतावनी को भी नजरअंदाज नहीं किया जा सकता कि यदि जनसंख्या वृद्धि की रफ्तार में अपेक्षित कमी लाने में सफलता नहीं मिली तो निकट भविष्य में एक दिन ऐसा आएगा, जब रहने के लिए धरती कम पड़ जाएगी। विश्वभर में अभी भी करीब डेढ़ अरब लोग ढ़लानों पर, दलदल के करीब, जंगलों में तथा ज्वालामुखी के क्षेत्रों जैसी खतरनाक जगहों पर रह रहे हैं।

जहां तक प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या का सवाल है तो भले ही जनसंख्या वृद्धि दर धीमी गति से घट रही है किन्तु यह भी कम चिन्ता का विषय नहीं है कि जनसंख्या वृद्धि दर घटते जाने के साथ-साथ प्रति हजार पुरूषों पर महिलाओं की संख्या भी घट रही है। निसंदेह यह सब पुत्र की चाहत में कन्या भ्रूणों को आधुनिक मशीनों के जरिये गर्भ में ही नष्ट किए जाने का ही दुष्परिणाम है। जनसंख्या वृद्धि में अपेक्षित कमी लाने के साथ-साथ जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रमों में इस बात का ध्यान रखे जाने की भी नितांत आवश्यकता है कि पुरूष और महिलाओं की संख्या का अनुपात किसी भी सूरत में न बिगड़ने पाए क्योंकि यदि यह अनुपात इसी कदर गड़बड़ाता रहा तो आने वाले समय में इसके कितने घातक नतीजे सामने आएंगे, इसकी हम कल्पना भी नहीं कर सकते।

बढ़ती जनसंख्या जहां समूचे विश्व के लिए गहन चिन्ता का विषय बनी है, वहीं बढ़ती आबादी का सर्वाधिक चिंतनीय पहलू यह है कि बढ़ती जनसंख्या का सीधा प्रभाव पर्यावरण पर पड़ रहा है। विश्व विकास रिपोर्ट के अनुसार प्राकृतिक संसाधनों से जितनी भी आमदनी हो रही है, वह किसी भी तरह पूरी नहीं पड़ रही, दशकों से यही स्थिति बनी है और इसे लाख प्रयासों के बावजूद सुधारा नहीं जा पा रहा। विश्व बैंक की एक रिपोर्ट के मुताबिक सन् 2050 तक विश्व की दो तिहाई आबादी नगरों में रहने लगेगी और तब ऊर्जा, पानी तथा आवास की मांग और बढ़ेगी जबकि बहुत से पर्यावरणविदों का मानना है कि सन् 2025 तक ही विश्व की एक तिहाई आबादी समुद्रों के तटीय इलाकों में रहने को विवश हो जाएगी और इतनी जगह भी नहीं बचेगी कि लोग सुरक्षित भूमि पर घर बना सकें। इससे तटीय वातावरण तो प्रदूषित होगा ही, पर्यावरण का संतुलन भी बिगड़ जाएगा।

इन सब बातों पर विमर्श करते हुए आज इस बात की नितांत आवश्यकता महसूस होने लगी है कि दुनिया के ऐसे प्रत्येक देश में, जो जनसंख्या विस्फोट की समस्या से जूझ रहा है, जनसंख्या नियंत्रण कार्यक्रम युद्धस्तर पर चलाए जाएं और जनता को जागरूक करने के लिए विशेष अभियान चलाए जाएं। भारत जैसे विकासशील देश में तो इसकी और भी ज्यादा जरूरत है क्योंकि हमारे यहां ऐसे कार्यक्रम प्रायः बड़े जोशोखरोश के साथ शुरू तो होते हैं किन्तु अक्सर ऐसी योजनाएं शुरू होने के कुछ ही समय बाद टांय-टांय फिस्स होने लगती हैं। अतः जनसंख्या वृद्धि

साधु सन्तों को भी ईश्वरीय ज्ञान दिया था प्रेमलता बहन ने !

डॉश्रीगोपाल नारसन एडवोकेट

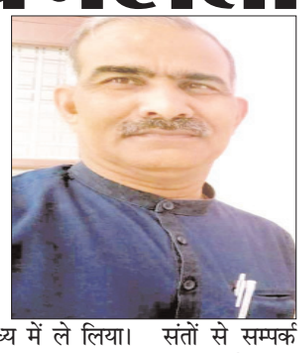

प्रजापिता ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय की वरिष्ठ राजयोगिनी रही बीके प्रेमलता बहन ने राजयोग के माध्यम से न सिर्फ स्वयं से आत्मसात किया अपितु वे परमात्मा से भी सीधे संपर्क साध लेती थी। ब्रह्मा बाबा की पालना लेकर ब्रह्माकुमारीज् संस्था प्रमुख प्रकाशमणि दादी व दादी जानकी के सानिदय में रही प्रेम लता बहन वास्तव में ईश्वरीय ज्ञान की दिव्य विभूति थी।तभी तो जो भी उनसे मिलता प्रभावित हुए बिना नही रहता।यहां तक

कि उनके मार्गदर्शन के कारण कइयो के जीवन की दिशा ही बदल गई।कुछ ईश्वरीय ज्ञान यज्ञ का हिस्सा बन गए तो कुछ जो व्यसनों के शिकार थे,से सदा के लिए व्यसनों से मुक्ति पा गए।हमेशा चेहरे पर मुस्कुराहट लिए शांत भाव की मालकिन प्रेमलता बहन बचपन में ही ब्रहमाकुमारीज संस्था से जुड़ गई थी। 18 जनवरी सन1940 में जन्मी प्रेम लता बहन को सन 1952 में ही ईश्वरीय ज्ञान मिल गया था। सन1956 में वे ईश्वरीय ज्ञान के सागर में जीवनभर के लिए समर्पित हो गई। प्रेमलता के अंदर ब्रहमाकुमारी संस्था के संस्थापक ब्रहमा बाबा ने ईश्वर के प्रति मधुर मिलन की ललक देखी, तो उन्होंने उन्हें अपने सानिध्य में ले लिया। ब्रहमा बाबा चाहते थे, कि परमात्मा शिव का ईष्वरीय ज्ञान, भक्ति मार्ग के साधु संतों को भी मिले। जिसके लिए उन्होंने ब्रहमाकुमारी प्रेमलता बहन को इस ईश्वरीय सेवा के निमित्त बनाया और उन्हें हरिद्वार में जाकर साधू संतों को ईश्वरीय ज्ञान बांटने की सेवा दी। सचमुच बहुत कठिन परीक्षा थी ब्रहमाकुमारी प्रेमलता बहन केलिए, क्योंकि जिन साधू संतों को ईश्वरीय ज्ञान देने की जिम्मेदारी उन्हें सौंपी गई, वें साधू संत तो स्वयं को सर्वज्ञानी मानते थे। फिर भला वें एक बालिका से कैसे ज्ञानार्जन करना स्वीकार कर सकते थे। लेकिन प्रेमलता के लिए ब्रहमा बाबा का आदेश ही सर्वोपरि रहा। चाहे उसमें कितनी भी कठिनाई

ही क्यों न हों? वें हरिद्वार आई और उन्होंने हरिद्वार के आश्रमों में: जाकर साधू संतों से सम्पर्क साधना आरम्भ किया। आरम्भ में साधू संत उनसे मिलना भी गंवारा नहीं समझते थे और यदि मिल भी जाते तो प्रेमलता को छोटी बच्ची समझ स्वयं ही भक्ति मार्ग का ज्ञान उन्हें देने लग जाते। लेकिन साधू संतों की बातों को सुनकर मंद मंद मुस्कुराने वाली प्रेमलता के चेहरे पर कभी शिकन तक नहीं आई और जब साधू संतों की बात समाप्त हो जाती या फिर यदि वें क्रोध में होते तो उनका क्रोध शांत हो जाता, तब बड़े ही सहज भाव से प्रेमलता ईश्वरीय ज्ञान का उन्हें ऐसा पाठ पढ़ाती, कि साधू संत उनके सामने नतमस्तक हो जाते। प्रजापिता ब्रहमाकुमारी ईश्वरीय विश्व विद्यालय के धर्म सेवा प्रभाग की राष्ट्रीय समन्वयक एवं पंजाब जोन उप प्रभारी प्रेमलता मुझे जब भी अपने ईश्वरीय सेवा केन्द्र देहरादून ,हरिद्वार या फिर रुड़की आगमन पर मिलती तो लगता जैसे वें मेरे ऊपर स्नेह वर्षा कर रही हो।देहरादून में जब भी उन्हें मेरे आने की खबर मिलती तो वें मुझसे मिलने के लिए दौड़ी चली आती और मुझे परमात्म ज्ञान के साथ-साथ सदाचार जीवन का पाठ विभिन्न उदाहरणों के माध्यम से पढ़ाती थी। वे मुझसे हमेंशा पूछती, गोपाल भाई, कुछ खाया या नहीं ?वे रुड़की आश्रम के अन्य भाई बहनों के बारे में भी कुशलक्षेम जरूर पूछती थी। एक बार प्रेमलता बहन ने एक किस्सा सुनाया,बोली, भाई एक दिन हमारे आश्रम में एक वृद्ध दम्पत्ति आए और बोले बहन जी घर में धन सम्पत्ति आभूषण आदि बहुत है और हमें डर लगता है कि कोई हमारी हत्या न कर दे। जिस कारण हमें रात को नींद भी नहीं आती और दिन भी तनाव के साथ ही बीतता है।

क्या-क्या करे नया मंत्रिमंडल?

डॉ. वेदप्रताप वैदिक

स्वतंत्र भारत में इंदिराजी के 'कामराज प्लान' के बाद यह सबसे बड़ी साहसिक पहल प्र.मं. नरेंद्र मोदी ने की है। इन नए और युवा मंत्रियों को अपने अनुशासन में रखना और उनसे अपने मन मुताबिक काम करवाना आसान रहेगा लेकिन उनसे कौन से काम करवाना है, यह तो प्रधानमंत्री को ही तय करना होगा। पिछले सात वर्षों में इस सरकार ने कुछ भयंकर भूलें की हैं तो कई अच्छे कदम भी उठाए हैं, जिनका लाभ जनता के विभिन्न वर्गों को बराबर मिल रहा है। लेकिन जैसा राष्ट्र गांधी, लोहिया और दीनदयाल उपाध्याय बनाना चाहते थे, वैसा राष्ट्र बनाना तो दूर रहा, उस लक्ष्य के नजदीक पहुंचना भी हमारी कांग्रेस, जनता पार्टी और भाजपा सरकारों के लिए मुश्किल रहा है। इस समय नरेंद्र मोदी चाहें तो उक्त महापुरुषों के सपनों को कुछ हद तक साकार कर सकते हैं। क्योंकि इस वक्त पार्टी, सरकार और देश में उनका एकछत्र राज है। उनकी पार्टी और विपक्ष में उनके विरोधियों के हौंसले पस्त हैं। उनकी लोकप्रियता थोड़ी घटी जरुर है, कोरोना की वजह से लेकिन आज भी उनकी आवाज पर पूरा देश आगे बढ़ने को तैयार है। इस नए मंत्रिमंडल का पहला लक्ष्य तो यह होना चाहिए कि देश में प्रत्येक व्यक्ति को शिक्षा और चिकित्सा मुफ्त मिले। शिक्षा मन और बुद्धि को मजबूत बनाए और चिकित्सा तन को। देश का तन और मन स्वस्थ रहे तो धन तो अपने आप पैदा हो जाएगा। इस लक्ष्य की प्राप्ति के लिए निजी अस्पतालों और शिक्षा-संस्थाओं पर पूर्ण प्रतिबंध लगे या उन्हें नियंत्रित किया जाए। देश में शत-प्रति-शत लोगों को शिक्षा और चिकित्सा उपलब्ध हो। शिक्षा और चिकित्सा के क्षेत्र में भारत, यूनान और चीन की प्राचीन पद्धतियों का लाभ बेखटके उठाया जाए। दूसरा, उच्चतम स्तर तक शिक्षा का माध्यम स्वभाषा हो। विदेशी भाषा के माध्यम पर कड़ा प्रतिबंध हो। विदेशी भाषाएं जरुर पढ़ाई जाएं लेकिन सिर्फ ऊँची कक्षाओं में स्वैच्छिक तौर पर और कम समय के लिए। तीसरा, जातीय आरक्षण खत्म किया जाए और राजनीतिक दल ऐसा माहौल बनाएं कि लोग जातीय उपनाम लगाना बंद करें। यह काम राष्ट्रपति और प्रधानमंत्री से शुरु होकर नीचे तक चला जाए। चौथा, देश में अंतरर्जातीय, अंतरधार्मिक और अंतरभाषिक विवाहों को प्रोत्साहित किया जाए। पांचवाँ, शारीरिक और बौद्धिक श्रम का फासला घटाया जाए। लोगों की आमदनी और निजी खर्च का अंतर कौड़ियों और करोड़ों में न हो। यह अंतर अधिक से अधिक एक से बीस तक हो।

छठा, पुराने आर्यावर्त्त का जो सपना महावीर स्वामी, महर्षि दयानंद और डॉ. लोहिया ने देखा था, उसे साकार करने के लिए दक्षिण और मध्यएशिया के देशों का महासंघ खड़ा किया जाए, जिसका साझा संविधान, साझी संसद, साझा बाजार और सांझी संस्कृति हो। सातवाँ, भारत सरकार विश्वपरमाणु निरस्त्रीकरण की पहल करे। यदि इस नए मंत्रिमंडल को लेकर यह सरकार इन कामों को पूरा कर सके या इस दिशा में आगे बढ़ सके तो इतिहास उसे याद रखेगा वरना इतिहास का कूड़ेदान तो काफी बड़ा होता ही है।

गवान की विचारणाएं

जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिए? भगवान द्वारा सोचना, विचारना, बोलना, भावनाएं आदि अमानतें मनुष्य को इसलिए नहीं दी गई हैं कि उनके द्वारा वह सुख-सुविधाएं या विलासिता के साधन जुटा अपना अहंकार पूरा करे बल्कि इसलिए दी गयी हैं ताकि इनके माध्यम से वह विश्व को अधिक सुन्दर और सुव्यवस्थित बनाने के लिए प्रयत्न कर। बैंक के खजांची के पास धन इसलिए रखा रहता है ताकि सरकारी प्रयोजनों के लिए इस पैसे को खर्च कर। खजाने में रखे लाखों रुपये खजांची कैसे खर्च कर सकता है।अपने लिए उसे उतना ही इस्तेमाल करने का हक है, जितना उसे वेतन मिलता है। पुलिस और फौज का कमांडर है, उसको अपना वेतन लेकर जितनी सुविधाएं मिली हैं, उसी से काम चलाना चाहिए। बाकी बहुत सारी सामर्थ्य और शक्ति उसे बंदूक चलाने के लिए मिली है, उसे सिर्फ उसी काम में खर्च करना चाहिए, जिसके लिए सरकार ने उसको सौंपा है। हमारी सरकार भगवान है और मनुष्य के पास जो कुछ विभूतियां, अक्ल और विशेषताएं हैं, वे व्यक्तिगत ऐय्याशी सुविधा और शौक-मौज के लिए नहीं हैं। व्यक्तिगत अहंकार की तृप्ति के लिए नहीं है। भगवान का बस एक ही उद्देश्य है- निरूस्वार्थ प्रेम। इसके आधार पर भगवान ने मनुष्य को इतना ज्यादा प्यार किया। मनुष्य को उस तरह का मस्तिष्क दिया है, जितना कीमती कम्प्यूटर दुनिया में आज तक नहीं बना। मनुष्य की आंखें, कान, नाक, वाणी एक से एक चीजें हैं, जिनकी रुपयों में कीमत नहीं आंकी जाती है। मनुष्य के सोचने का तरीका इतना बेहतरीन है, जिसके ऊपर सारी दुनिया की दौलत न्योछावर की जा सकती है। ऐसा कीमती मनुष्य और ऐसा समर्थ मनुष्य जिस भगवान ने बनाया है, उसकी यह आकांक्षा जरूर रही है कि दुनिया को समुन्नत और सुखी बनाने में यह प्राणी मेरे सहायक के रूप में काम करेगा और मेरी सृष्टि को समुन्नत रखेगा। मानव जीवन की विशेषताओं और भगवान द्वारा विशेष विभूतियां मनुष्य को देने का एक और उद्देश्य है। जब मनुष्य इस जिम्मेदारी को समझ ले कि मैं क्यों पैदा हुआ हूं और पैदा हुआ हूं तो मुझे क्या करना चाहिएट तो समझना चाहिए कि इस आदमी का नाम मनुष्य है, इसके भीतर मनुष्यता का उदय हुआ और इसके अंदर भगवान की विचारणाएं उदित हो गयीं।

बच्चों के खिलौने भी स्वास्थ्य के लिये हानिकारक

विजय कुमार जैन

नन्हे मुन्ने बच्चों को हम जब खिलौने दिलाते है। उन खिलौनों से बच्चे मन वहलाने लिये खेलते है। हम जब बाजार खरीदी के लिए जाते है अगर साथ में छोटे बच्चे हैं तो वे दुकान पर रखे खिलौनों को देखते ही जिद करके वह खिलौना खरीदने हमे मजबूर कर देते है या पास पड़ोस के बच्चे का नया खिलौना देख आते है तो वही खिलौना लेने की जिद करते है और खरीदकर ही दम लेते है।

हाल में यह तथ्य उजागर हुआ है बच्चे जिन खिलौनों से खेलते है वह जाँच में स्वास्थ्य के लिये हानिकारक निकले है।भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यू सी आई) ने कहा है भारत में आयात होने बाले 66.90 प्रतिशत खिलौने बच्चों के लिये खतरनाक होते हैं। क्यू सी आई ने गोपनीय तरीक़े से कराये गये अध्ययन एवं जाँच में यह पाया कि अनेक खिलौने मेकेनिकल, केमिकल और अन्य तरह की सूक्ष्म जाँच में अमानक या कसौटी पर खरे नहीं उतर पाये है। क्यू सी आई ने कहा है विदेशों से आयात किये गये खिलौनों एवं यहाँ के खिलौनों में केमिकल निर्धारित मात्रा से ज्यादा पाया गया। जिससे बच्चों में अनेक प्रकार की बीमारियां हो सकती है। लेकिन आम लोग एवं माता पिता इस स्थिति से अनभिज्ञ हैं। भोपाल की सुषमा हो या इंदौर की हेमलता उनका कहना है मेरे बच्चों को जो खिलौना पसंद आता है जिस खिलौने को लेने की जिद करते है हम खरीद लेते है। हमे नहीं लगता कि खिलौनों से कोई नुकसान होता है। मेरे गृह नगर राघौगढ़ की सपना कहती है बच्चों के खिलौने में जेली का ध्यान रखती हूँ। बच्चे उससे खेलकर हाथ धो लें। भोपाल की सुषमा हो, इंदौर की हेमलता या ग्वालियर की कल्पना उनकी तरह कई और माँ बाप भी यहीं सोचते है कि खिलौनों से बच्चों को कोई नुकसान नहीं हो सकता। वे तो बच्चों की पसंद और क्वालिटी देखकर उसे खरीद लेते है। उनके पास कुछ और तरीका जाँच करने का तरीका भी नहीं होता। मेरे गृह नगर राघौगढ़ के खिलौना बेचने बाले एक दुकानदार का कहना है छोटे बच्चों के कुछ खिलौनों पर टॉक्सिक और नॉन-टॉक्सिक लिखा होता है लेकिन सभी ग्राहकों को यह पता नहीं होता। दुकानदार ने बताया कि अधिकतर लोग वह खिलौना खरीद लेते है जो उन्हें पसंद आता है या जिसकी जिद बच्चे करते हैं। उस खिलौने की कीमत और चलाने के तरीक़े के अलावा वो कुछ और नहीं पूछते। विगत दिनों भारतीय गुणवत्ता परिषद (क्यू आई सी) के तत्कालीन महासचिव डॉक्टर आर पी सिंह ने जानकारी दी थी भारत में विदेशों से आने बाले वहुत से खिलौनों खिलौने कोई भी दुकान से एक खिलौना लेकर जाँच के लिये सेंपल चुने गये। इनकी जाँच एनएबील की मान्यता प्राप्त लैब में किया गया। अलग-अलग प्रकार के 121 तरह के खिलौनों की जाँच की गई।

क्यू सी आई ने खिलौनों की मेकेनिकल और जाँच की, उसके बाद पेंट्स, लैड और हैवी मेटल की जाँच भी की गई। इस जाँच में मात्र 33 प्रतिशत खिलौने ही सही निकले। टॉक्सिक खिलौनों से होने बाले नुकसान पर डॉ आर पी सिंह ने कहा था, वहुत सारे खिलौने मेकेनिकल जाँच में फैल हो गये। मेकेनिकल जाँच का अर्थ है कि जैसे मेटल के खिलौने से बच्चे को त्वचा पर खरोंच आ सकती है, उसे कट लग सकता है। मूँह में डालने पर गले में फसना नही चाहिए। इन सब की जाँच एक सेंपल के आधार पर की जा रही है और उनकी कोई वैधता अवधि नहीं है, जिससे यह पता नही चल रहा था कि उस टेस्ट रिपोर्ट के साथ आ रहे खिलौनों के बंडल की जाँच की गई है या नही। इस बात को लेकर मंथन हुआ और फिर क्यू आई सी को बाजार में बिक रहे खिलौनों की जाँच के लिये कहा गया। क्यू आई सी ने दिल्ली और एन सी आर,मुंबई, भोपाल से खिलौने लिये। ये चीजों की जाँच की जाती है। केमिकल जाँच में देखा जाता है कि किस तरह के केमिकल का उपयोग हो रहा है और उनकी मात्रा क्या है, जैसे कि साफ्ट टॉयज में एक केमिकल होता है थैलेट, जिससे कैंसर का खतरा भी हो सकता है। उससे निकलने बाले रेशों से बच्चों को नुकसान नही पहुंचना चाहिए।

खिलौनों में इस्तेमाल होने बाले केमिकल से त्वचा संबंधी बीमारियां हो सकती है। मूँह में लेने पर इंफेक्शन हो सकता है। इसके अलावा लेड, मर्करी और आरसैनिक जैसे हैवी मेटल भी नहीं होने चाहिए। बच्चों के टेंट हाउस और कॉस्ट्यूम्स जैसे खिलौनों को ज्वलनशील पाया गया। ये जल्दी आग पकड़ सकते हैं। जिन खिलौनों को जाँच के लिए चुना गया उनमें मुख्य है प्लास्टिक से बने खिलौने, साफ्ट टॉय/ स्टफ्ड टॉय,इलेक्ट्रिक खिलौने, लकड़ी के बने खिलौने, मेटल से बने खिलौने, जिन खिलौनों के अंदर बच्चे जा सकते है जैसे टॉय टेंट, कॉस्ट्यूम्स। क्यू आर सी द्वारा करायी गयी जाँच के परिणाम चौकाने बाले आये है। 41.3 प्रतिशत सैंपल मेकेनिकल जाँच में फैल हुए। 3.3 प्रतिशत सैंपल फैलाइट केमिकल जाँच में फैल हुए। 12.4 प्रतिशत सैंपल फैलाइट और मेकेनिकल जाँच में फैल हुए। 7.4 प्रतिशत सैंपल ज्वलनशीलता जाँच में फैल हुए। 2.5 प्रतिशत सैंपल मेकेनिकल और ज्वलनशीलता में फैल हुए। भारत में सबसे ज्यादा खिलौने चीन से आते है। इसके अलावा श्रीलंका, मलेशिया, जर्मनी, हांगकांग और अमेरिका से भी खिलौने आते है।

अलाया एफ जल्दी ही साउथ की रीमेक फिल्म यू-टर्न में आयेगी नजर

अपने हॉट फोटोग्राफ्स और अंदाज से ट्रेंड में छाई रहने वाली अलाया फर्नीचरवाला जल्दी ही साउथ की रीमेक फिल्म यू-टर्न में नजर आने वाली हैं. इस फिल्म के लिए उन्हें एकता कपूर ने लीड रोल में चुना है.

कॉमेडी ड्रामा 'जवानी जानेमन' में अपनी शुरुआत करने के बाद अलाया एफ ने एकता कपूर के आगामी प्रोडक्शन 'यू-टर्न' को लीड करने के लिए तैयार हैं. यह फिल्म एक बेहतरीन थ्रिलर है जिसमें अलाया एफ मुख्य भूमिका में हैं और इसका निर्देशन नवोदित निर्देशक आरिफ खान ने किया है. यह फिल्म ब्लॉकबस्टर साउथ फिल्म का रूपांतरण है, जिसमें सुपरस्टार सामंथा ने मुख्य भूमिका निभाई थी.

अलाया ने अभी अपने नाना कबीर बेदी के साथ एक इंस्टाग्राम लाइव भी किया था. जिसमें उन्होंने अपने नाना की बेस्ट सेलिंग ऑटोबायोग्राफी की सफलता की चर्चा की थी.

यू-टर्न का निर्माण कल्ट मूवीज द्वारा किया जाएगा, जो शोभा कपूर और एकता कपूर की बालाजी टेलीफिल्म्स के तहत नया डिवीजन है, जो नए कॉन्टेंट का उत्पादन करता है. दिलचस्प बात यह है कि अनुराग कश्यप की दोबारा और दिबाकर बनर्जी की एलएसडी 2 के बाद, यू-टर्न कल्ट मूवीज के तहत घोषित होने वाली तीसरी फिल्म है.

शहरी पृष्ठभूमि पर बनी इस फिल्म की शूटिंग कल से शुरू हो जाएगी. हालांकि इस परियोजना के बारे में ज्यादा खुलासा नहीं किया गया है, निर्माताओं ने अभी एक वीडियो जारी किया है, जिसमें फिल्म की घोषणा की गई है और हमें थ्रिलर की एक झलक दी गई है. कहने की जरूरत नहीं है कि वीडियो एक सस्पेंस थ्रिलर का टोन सेट करता है, जो पहले से ही दर्शकों की रुचि को बढ़ा रहा है.

एकता कपूर ने कहा, अलाया अपनी पहली फिल्म में शानदार थीं. उनमें आत्मविश्वास और दर्शकों के साथ कनेक्ट करने की चालिटीज हैं जिसका मुझे विश्वास है. यू-टर्न आपको ट्विस्ट और टर्न की सवारी पर ले जाएगा और बेहतरीन उत्साह देगा. अलाया को बोर्ड पर पाकर मैं बहुत खुश हूं!

इसी भावना को साझा करते हुए, अलाया एफ ने कहा, मेरे करियर की शुरुआत में एकता मैम के साथ सहयोग करने का यह एक बेहद रोमांचक अवसर है, विशेष रूप से इस तरह के एक दिलचस्प प्रोजेक्ट के लिए. मैं इस तरह की दिलचस्प कहानी को लीड करने के लिए जिम्मेदार महसूस करती हूं और मैं इस यात्रा को शुरू करने के लिए काफी खुश हूं.

नवोदित निर्देशक आरिफ खान, जिन्होंने गुंजन सक्सेना, 2 स्टेट्स, स्टूडेंट ऑफ द ईयर सहित दस से अधिक फिल्मों में एसिस्ट किया है, इस नए जमाने की थ्रिलर में एक नया आयाम लाने के लिए पूरी तरह तैयार हैं!

फिल्म गणपत से बाहर नोरा फतेही, नुपुर सैनन की हो सकती है एंट्री

यह तो सभी को पता है कि फिल्म गणपत में टाइगर श्रॉफ अभिनेत्री कृति सैनन के साथ रोमांस करते नजर आएंगे। कृति फिल्म में मुख्य भूमिका निभा रही हैं, वहीं, फिल्म की सेकेंड लीड एक्ट्रेस के लिए पिछले कई दिनों से अभिनेत्री नोरा फतेही का सामने आ रहा था। अब जो खबर आ रही है, उससे बेशक नोरा के प्रशंसकों का दिल टूट जाएगा। दरअसल, नोरा इस फिल्म से बाहर हो गई हैं। आइए जानते हैं पूरी खबर। रिपोर्ट के मुताबिक फिल्म गणपत से नोरा का पत्ता कट चुका है। निर्माता जैकी भगनानी बेशक इस फिल्म को लेकर नोरा के संपर्क में थे, लेकिन नोरा की पीआर टीम ने काम बिगाड़ दिया। जैसे ही यह खबर मीडिया में आई, फिल्म की प्रोडक्शन टीम नोरा से खफा हो गई। जब प्रोड्यूसर को पता चला कि नोरा की टीम ने मीडिया को इस बारे में जानकारी दी तो उन्होंने अभिनेत्री को बाहर का रास्ता दिखा दिया। निर्माता दूसरी लीड हीरोइन के लिए अब एक नए चेहरे की तलाश में हैं। रिपोर्ट में कहा गया है कि फिल्म के लिए कृति की बहन नुपुर को कास्ट किया जा सकता है। निर्माताओं को इस किरदार के लिए नुपुर ठीक लग रही हैं। अगर नुपुर के साथ बात बन जाती है तो बेशक यह फिल्म उनके फैंस के लिए किसी ट्रीट से कम नहीं होगी और होगी भी क्यों नहीं, इसके जरिए सैनन सिस्टर्स पहली बार साथ जो दिखेंगी। गणपत का निर्देशन विकास बहल कर रहे हैं और जैकी भगनानी इस फिल्म के निर्माता हैं। इस फिल्म की कहानी बॉक्सिंग रिंग के इर्द-गिर्द घूमती है। फिल्म में टाइगर बॉक्सर बने हैं। गणपत दो भागों में बनेगी। फिल्म का नाम गणपत इसलिए रखा गया है क्योंकि बॉक्सर बने टाइगर फिल्म में गणपति के भक्त बताए गए हैं। कृति फिल्म के दोनों पार्ट में दिखाई देंगी, वहीं हमेशा की तरह टाइगर गणपत में भी धांसू एक्शन करते दिखेंगे। नोरा इन दिनों दो फिल्मों को लेकर चर्चा में हैं। एक है अजय देवगन की फिल्म भुज: द प्राइड ऑफ इंडिया और दूसरी है सत्यमेव जयते 2। दोनों ही फिल्मों में नोरा एक खास भूमिका निभाने वाली है।

आहना कुमरा ने लगाया हॉटनेस का तड़का

एक्ट्रेस अहाना कुमरा फैंस के बीच अपनी नायाब एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं. अहाना अपने ग्लैमरस लुक के जरिए भी खूब छाई रहती हैं. अहाना आए दिन सोशल मीडिया पर अपनी बोल्ड फोटोज शेयर करके फैंस के दिलों को घायल करती रहती हैं. हाल में अहाना ने एक बार फिर से बोल्ड फोटो शेयर करके फैंस के बीच सनसनी मचा दी है. फिल्मों में अपने बेबाक अंदाज के लिए पहचानी जाने वाली बॉलीवुड एक्ट्रेस अहाना कुमरा सोशल मीडिया पर काफी एक्टिव रहती हैं. ऐसे में अब हाल ही में एक्ट्रेस ने अपने इंस्टाग्राम पर फोटो शेयर की है. खास बात ये है, एक्ट्रेस का ये लुक फैंस को पसंद भी आ रहा है. अहाना ने जो फोटो शेयर की है, उसमें वह फिरोजी कलर की प्रिंटेड बिकिनी में दिखाई दे रही हैं. एक्ट्रेस किसी पत्थर पर खड़ी दिखाई दे रही हैं. इस दौरान एक्ट्रेस अपने हाथों से बालों को संवारती दिख रही हैं. फोटो शेयर करके एक्ट्रेस ने लिखा है कि एक सास एक दिन मूल बातें दूर रखता हैज अहाना की ये फोटो तेजी से सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है. इस फोटो पर फैंस तरह तरह से लाइक और कमेंट कर रहे हैं. फैंस को एक्ट्रेस का अंदाज काफी ज्यादा पसंद आ रहा है. फैंस के साथ ही सेलेब्स को एक्ट्रेस का बोल्ड अंदाज भा रहा है. एक्ट्रेस के 1.3 मिलियन फॉलोअर्स हैं. अहाना के वर्कफ्रंट की बात करें तो आहना ने हाल ही में 'इंडिया लॉकडाउन' की शूटिंग पूरी कर ली है. इस फिल्म का निर्देशन मधुर भंडारकर कर रहे हैं. जबकि हाल ही में वेब सीरीज सैंडविच फॉरएवर में नजर आई थीं. अहाना को असली पहचान लिस्ट इन एक बुर्का से मिली थी. इस फिल्म में एक्ट्रेस का बोल्ड लुक दिखाई दिया था. वैसे एक्ट्रेस अमिताभ बच्चन के साथ युद्ध सीरियल में दिखाई दी थी. अहाना कुमरा ने फिल्मों के साथ वेबसीरीज आदि में भी अपनी छाप छोड़ी है. आपको बता दें कि अहाना ने बतौर फिल्म एक्ट्रेस हिंदी सिनेमा में कदम सोना स्पा से रखा था हालांकि एक्ट्रेस को इससे कोई खास सफलता नहीं मिली थी. इस फिल्म के बाद भी वह कई और फिल्मों में भी नजर आईं थीं. अहाना को कुछ वक्त पहले रिलीज द एक्सीडेंटल प्राइम मिनिस्टर में फैंस ने देखा था. इस फिल्म में एक्ट्रेस प्रियंका गाँधी की भूमिका में दिखाई दी थीं।

इरफान खान के बेटे बाबिल ने एक्टिंग पर फोकस करने के लिए छोड़ा कॉलेज

दिवंगत अभिनेता इरफान खान के बेटे बाबिल खान अपनी डेब्यू फिल्म काला को लेकर चर्चा में हैं। इरफान के निधन के बाद प्रशंसकों को बाबिल से काफी उम्मीदें हैं। अब बाबिल ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर बहुत आश्चर्य में डालने वाली जानकारी शेयर की है। बाबिल ने सोशल मीडिया पर फैंस को बताया कि एक्टिंग पर फोकस करने के लिए उन्होंने अपनी पढ़ाई छोड़ दी है। बाबिल लंदन में एक्टिंग स्कूल से अपनी ग्रेजुएशन की पढ़ाई कर रहे थे।

बाबिल ने अपने आधिकारिक इंस्टाग्राम हैंडल पर लिखा, मैं आप सभी को बहुत याद करूंगा मेरे प्यारे दोस्तों। मेरा यहां मुंबई में छोटा सर्कल है, कुल मिलाकर दो-तीन दोस्त हैं। तुम लोगों ने मुझे अनजान जगह पर घर दिया और महसूस कराया कि वह मेरा ही है। धन्यवाद, आपको प्यार। उन्होंने आगे लिखा, आज फिल्म बीए ड्रॉप कर रहा हूं, 120 से ज्यादा क्रेडिट्स के साथ क्योंकि अब मैं अपना पूरा फोकस एक्टिंग पर दूंगा। गुड बाय वेस्टमिंस्टर यूनिवर्सिटी। बाबिल सोशल मीडिया पर काफी सक्रिय रहते हैं। वह अक्सर अपने पिता और दिवंगत अभिनेता इफरान की यादों को साझा करते रहते हैं। इरफान 29 अप्रैल, 2020 को कैंसर के कारण जिंदगी की जंग हार गए थे। पिछले हफ्ते भी बाबिल ने अपने पिता की तस्वीरें सोशल मीडिया पर शेयर की थीं। वह अपनी मां से जुड़े भावनात्मक पलों को भी साझा करते रहते हैं। बाबिल अभी दो फिल्मों के प्रोजेक्ट पर काम कर रहे हैं। बाबिल का फिल्मी सफर काला से शुरू हो सकता है। इस फिल्म में उनके साथ चर्चित अभिनेत्री तृप्ति डिमरी और स्वास्तिका मुखर्जी भी नजर आएंगी। यह फिल्म अनुष्का शर्मा की प्रोडक्शन कंपनी क्लीन स्लेट फिल्म्स के बैनर तले बन रही है।

डिजिटल डेब्यू के लिए तैयार है पुनीत इस्सर के बेटे सिद्धांत इस्सर

धारावाहिक महाभारत में दुर्योधन बने पुनीत इस्सर के बेटे सिद्धांत इस्सर इन दिनों चर्चा में हैं और हों भी क्यों ना, वह डिजिटल जगत में जो कदम रख रहे हैं। पुनीत, दीपिका चखलिया अभिनीत वेब सीरीज जय मां वैष्णो देवी से ओटीटी जगत की ओर रुख कर रहे हैं। इसके अलावा सिद्धांत एक दूसरी वेब सीरीज में भी नजर आने वाले हैं। हाल ही में उन्होंने इस बारे में मीडिया से बात की। आइए जानते हैं सिद्धांत ने क्या कहा। सिद्धांत ने कहा, मैं अपनी पहली वेब सीरीज को लेकर बेहद उत्साहित हूं। इसमें मैं भगवान राम के अलग-अलग रूपों में नजर आऊंगा। यह वास्तव में मेरे लिए सम्मान की बात है। इसके लिए मैं आजकल नाइट शिफ्ट कर रहा हूं। बता दें कि इस वेब सीरीज का निर्माण सागर आर्ट्स प्रोडक्शन हाउस के बैनर तले किया जा रहा है। इस सीरीज से रामायण की सीता उर्फ दीपिका चिखलिया भी अपना डिजिटल डेब्यू कर रही हैं। सिद्धांत की दूसरी वेब सीरीज टाइटल रोल है। इस पर उन्होंने कहा, मैं इसमें मुख्य खलनायक की भूमिका निभा रहा हूं। यह या तो इस महीने के अंत तक या फिर अगले महीने तक जरूर रिलीज हो जाएगी। उन्होंने कहा, जैसे मधुर भंडारकर ने पेज 3 और फैशन के जरिए फिल्मी दुनिया की घिनौनी सच्चाई से दुनिया को अवगत कराया था, वैसे ही टाइटल रोल के जरिए टीवी इंडस्ट्री की गंदी और काली सच्चाई दुनिया के सामने आने वाली है। सिद्धांत इससे पहले दो शॉर्ट फिल्मों का निर्देशन भी कर चुके हैं। वह लंबे समय से थिएटर की दुनिया में सक्रिय हैं। भारत के सबसे सफल लाइव थिएटर नाटक महाभारत- एन एपिक टेल में सिद्धांत इस्सर ने दुर्योधन के रूप में काम किया है, जिसके लिए उन्हें काफी सराहा भी गया है। सिद्धांत ने फिल्म लास्ट डील से बॉलीवुड में कदम रखा था। उन्होंने अपने दम पर यह फिल्म हासिल की थी। सिद्धांत ने खुद ही जाकर ऑडिशन दिया था।

फिटनेस ट्रेनर के तौर पर बनाएं करियर

आज जिम, बड़े होटल, हेल्थ क्लब फिटनेस सेंटर, स्पा, टूरिस्ट रिसॉर्ट आदि में फिटनेस ट्रेनर की मांग है। कुछ अनुभव के साथ आप अपना फिटनेस सेंटर शुरू कर सकते हैं ट्रेनर या कोच की मांग बहुत बड़ी है

आज जिम, बड़े होटल, हेल्थ क्लब, फिटनेस सेंटर, स्पा, टूरिस्ट रिसॉर्ट जैसी कई जगहों पर फिटनेस ट्रेनर की मांग है। फिटनेस उद्योग आज फलफूल रहा है। भारत में आज फिटनेस उद्योग का 2,000 करोड़ रुपये से अधिक। हाई टेक जिम और हेल्थ क्लब ने इसे युवाओं के बीच और अधिक लोकप्रिय बना दिया है। कोर्स पूरा करने के बाद, आप इनमें से कोई भी करियर चुन सकते हैं।

एथलीट ट्रेनर-
आहार विशेषज्ञ
खेल का कोच
भौतिक चिकित्सक

काम की प्रकृति ङ्कएक फिटनेस ट्रेनर के रूप में, आपको एरोबिक्स, लचीलेपन, प्रशिक्षण, बीएमआई, और शारीरिक स्वास्थ्य सहित प्रशिक्षण से संबंधित सभी उपकरणों का ज्ञान होना चाहिए, ताकि लोगों को पढ़ाना और सूचित करना आसान हो। आप उनके लिए एक अच्छी डाइट सेट कर सकते हैं। फिटनेस ट्रेनर मूल रूप से फिटनेस पोषण, वजन प्रबंधन, तनाव में कमी, स्वास्थ्य जोखिम प्रबंधन आदि पर ध्यान केंद्रित करना चाहता है। एक एरोबिक्स प्रशिक्षक के रूप में, आप व्यायाम सत्र में एरोबिक्स, स्ट्रेचिंग और मांसपेशियों के व्यायाम पर ध्यान केंद्रित करते हैं। खेल जगत में एथलीट का स्टैमिना बढ़ाने के लिए आप जॉगिंग, वेट लिफ्टिंग, पुशअप्स जैसी एक्सरसाइज पर ध्यान दें। अगर आप प्राकृतिक चिकित्सक हैं तो व्यायाम के जरिए रोग मुक्त रहने के गुर भी सीखेंगे। एक फिटनेस ट्रेनर या ट्रेनर के रूप में आपको विभिन्न प्रकार के लोगों के संपर्क में रहने के लिए अच्छा बोलने का कौशल और व्यावहारिक ज्ञान होना चाहिए। कोर्स के बाद मासिक आय कम होगी लेकिन अनुभव के साथ आप हाइट्स और फिटनेस सेंटर, स्पा और रिसॉर्ट से जुड़कर अच्छा पैसा कमा सकते हैं।

रोजाना पहने जाने वाले कपड़ों का इस तरह से रखें ध्यान, नहीं होंगे जल्दी खराब

रोजाना पहने जाने वाले कपड़ों को अन्य कपड़ों से अधिक धोया जाता है, इसलिए इनमें रंग फीका पड़ने, सिकुड़ने या कपड़े के आकार में बदलाव आने, धागों के ढीले होने या छोटे-छोटे छेद होने जैसी समस्याएं होने लगती हैं। अगर आप अपने रोजाना पहने जाने वाले कपड़ों को इन समस्याओं से बचाकर रखना चाहते हैं तो इन्हें धोने से लेकर इनकी देखभाल का सही तरीका अपनाएं। आइए आज आपको इसी से जुड़ी कुछ टिप्स देते हैं।

कपड़ों को उल्टा करके धोएं: अगर आप यह चाहते हैं कि आपके रोजाना पहने जाने वाले कपड़ों का रंग फीका न पड़े और न ही कोई अन्य समस्या आए तो इसके लिए उन्हें उल्टा करके धोएं। ऐसा करने से कपड़ों के बाहरी हिस्से को किसी तरह का नुकसान नहीं होता। इस तरह कपड़े धोने का एक लाभ यह भी है कि कपड़ों की सिलाई और रंग आदि यूं ही बरकरार रहती है और यह प्रिंट वाले कपड़ों को भी फीका पड़ने से बचाता है।

एक अच्छे फैब्रिक कंडीशनर का इस्तेमाल करें: रोजाना पहने जाने वाले कपड़ों की उम्र बढ़ाने के लिए एक अच्छे फैब्रिक कंडीशनर का इस्तेमाल करना लाभदायक साबित हो सकता है। फैब्रिक कंडीशनर एक सुरक्षात्मक परत बनाकर कपड़ों को कई तरह के नुकसान से बचाने में मदद करता है। इतना ही नहीं, यह कपड़ों के रंग को भी लंबे समय तक यूं ही बनाए रखता है, इसलिए रोजाना के कपड़ों को धोने के लिए एक अच्छे फैब्रिक कंडीशनर का इस्तेमाल जरूर करें।

कपड़ों को अच्छे सुखाना है जरूरी: जब भी आप अपने कपड़ों को धोएं तो उन्हें अच्छे से धूप में सुखा लें क्योंकि ऐसा करने से कपड़ों में नमी नहीं आएगी। दरअसल, नमी के कारण भी कपड़े कीटाणुओं के संपर्क में आ सकते हैं, इसलिए इस बात पर विशेष ध्यान दें। आप चाहें तो इसके लिए मशीन ड्रायर का भी इस्तेमाल कर सकते हैं, लेकिन ड्रायर के बाद भी कपड़ों को धूप लगाना जरूरी है। इसके बाद ही कपड़ों को फोल्ड करके अलमारी में रखें।

कपड़ों को सही तरीके से स्टोर करें: आपको इस बारे में पता होना चाहिए कि आप जिस तरह से अपने कपड़ों को स्टोर करते हैं, उससे उनकी उम्र पर बहुत फर्क पड़ता है। उदाहरण के लिए भारी कपड़ों को मोड़ने और टांगने की बजाय उन्हें एक अलग शेल्फ में रखें ताकि उनका आकार खराब न हो। इसी तरह तार या प्लास्टिक के हैंगर की बजाय लकड़ी के हैंगर्स का इस्तेमाल कपड़ों को टांगने के लिए करें ताकि कपड़ों का आकार सही रहें।

जानकारी

केयर लेबल को ध्यान से पढ़ें: अगर आप चाहते हैं कि आपके रोजाना पहने जाने वाले कपड़े हमेशा नए जैसे लगें तो बेहतर होगा कि आप उन पर लगे लेबल के दिशा-निर्देशों को अच्छे से पढ़ें और उसी के मुताबिक कपड़ों की सफाई और रख-रखाव करें।

रेस 4 की शूटिंग साल के अंत में होगी शुरू, स्क्रिप्टिंग के बाद फाइनल होगी कास्ट

रेस भारत की सबसे लोकप्रिय फिल्म फ्रेंचाइजी रही है। इस फ्रेंचाइजी की फिल्मों से दर्शकों का खास जुड़ाव रहा है। इस सीरीज की फिल्मों में जबरदस्त एक्शन और रोमांच देखने को मिला है। फ्रेंचाइजी की आखिरी फिल्म में अभिनेता सलमान खान को मुख्य भूमिका में देखा गया था। काफी समय से रेस 4 को लेकर चर्चाओं का बाजार गर्म था। अब खबर है कि रेस 4 की शूटिंग इस साल के अंत में शुरू हो सकती है। रिपोर्ट के मुताबिक, रेस 4 के प्रोजेक्ट पर काम चल रहा है। अभी यह फिल्म स्क्रिप्टिंग स्टेज में है। फिल्म की पटकथा को लेखक शिराज अहमद द्वारा लिखा जा रहा है। सूत्र ने बताया, शिराज जिन्होंने इस फ्रेंचाइजी की अन्य तीन फिल्मों में काम किया है, वह वर्तमान में इसके चौथे भाग पर काम कर रहे हैं। प्रोड्यूसर रमेश तौरानी जल्द ही फिल्म के लिए निर्देशक ढूंढ लेंगे और स्क्रिप्ट फाइनल होने पर ही कास्ट को चुना जाएगा। सूत्र ने बताया कि फिल्म की शूटिंग साल के अंत में शुरू होगी। फिल्म की शूटिंग देश में मौजूदा महामारी के हालात पर भी निर्भर करेगा। अभी इसकी जानकारी नहीं है कि रेस 3 में दिखने वाले सलमान और रेस 1 व रेस 2 में नजर आने वाले सैफ अली खान फिल्म के चौथे भाग में नजर आएंगे या नहीं। रिपोर्ट्स में दावा किया गया था कि रेस 4 में सलमान, सुनील शेट्टी और सैफ नजर आ सकते हैं।इस फ्रेंचाइजी की फिल्मों को दर्शकों और फिल्म समीक्षकों की अच्छी प्रतिक्रिया मिली है। फिल्म के पहले भाग में सैफ, अक्षय खन्ना, कैटरीना कैफ, बिपाशा बसु और अनिल कपूर अहम भूमिकाओं में नजर आए थे।

वन-टू-वन

चैन्नई ताम्बरमम् वेस्ट शाखा सीरवी व ज्वेलर्स एसोसिएशन द्वारा एक लाख एक हजार रुपये की राशि मुख्यमंत्री राहत कोष में सुपुर्द किया

पुष्पाजली टुडे

चैन्नई - ताम्बरमम् वेस्ट शाखा संगठन के नेतृत्व में कोरोना सहायतार्थ तमिलनाडु मुख्यमंत्री राहत कोष में दान राशि भेंट करने के क्रम में आज ताम्बरमम् वेस्ट शाखा के व्यापारियों की तरफ से 101000/- रुपये की राशि संगठन के माननीय प्रदेशाध्यक्ष महोदय स्वामी तेजानंद महाराज को सुपुर्द किया। इस आयोजन में संगठन के उपाध्यक्ष आनंदप्रकाश शर्मा, संगठन के प्रदेश प्रभारी लालुराम गहलोत, संगठन के दक्षिण चेन्नई ईस्ट जिला सचिव नेमीचन्द चोयल, सीरवी सघंठन के ताम्बरम प्रभारी एवम् कार्यकर्ता अरविंदकुमार गुन्देचा,खेमचंद बोहरा, मनोहरलाल गांधी, रणजीतसा,विनोदजी मेहता उपस्थित रहे। संगठन प्रदेशाध्यक्ष ने संगठन के 60 सदस्यों से सीधे तौर पर वार्तालाप किया। स्वामी ने सभी सदस्यों को एकता में रहकर संगठन से जुडने की सलाह दी तमिलनाडु के अन्य सभी क्षैत्रों के पदाधिकारियों और सदस्यों से विनम्र निवेदन हैं कि जिन क्षैत्रों से अभी तक मुख्यमंत्री सहायता कोष में दान राशि संगठन मुख्यालय तक नहीं पंहुची है, वे अतिशीघ्र संगठन के प्रदेशाध्यक्ष अथवा पदाधिकारियों से संपर्क करके सहायता राशि भेंट करने के कृपा करें। जिससे जमा राशि माननीय मुख्यमंत्रीजी महोदय को सुपुर्द की जा सके। ताम्बरमम् वेस्ट शाखा के सभी माननीय सदस्यों और पदाधिकारियों को सेवा कार्य के लिए हार्दिक धन्यवाद दिया ये मीडिया सह-सचिव देवाराम रठोड़ द्वारा दी गई

आईजी सेवा समिति चेन्नई ने की आर्थिक सहायता

पुष्पाजली टुडे, नारायणलाल सैणचा

चैन्नई -दिलीप पुत्र गिरधारीलाल सीरवी गेहलोत धर्मपत्नी लक्ष्मीदेवी वर्तमान में विल्लीवाक्कम् चेन्नई मारवाड़ में करमावास मालियान ह्रदय में वॉल समस्या के चलते मद्रास मेडिकल मिशन अस्पताल एम एम एम में उपचार जारी है।दस साल पहले एक ऑपरेशन अब वर्तमान में इनको दुसरा ऑपरेशन की सख्त आवश्यकता है जिसका खर्च लगभग पॉच लाख के आसपास आयेगा ऐसा अस्पताल से बताया गया है। परिवार की आर्थिक स्थिति इस समय बेहद कमजोर है, कोरोना वायरस महामारी व्यापार मन्दी के कारण परिवार के सदस्य नौकरी करके जैसे तैसे सामान्य जीवनयापन कर रहे हैं, परिवार ने सर्जरी हेतु यथासंभव अपनी ओर से एवं अपने अन्य परिचितों के माध्यम से लगभग साढ़े तीन लाख रुपये का इंतजाम किया गया है ।शेष राशि श्री आईजी सेवा समिति द्वारा एक लाख इक्कीस हज़ार राशी का सहायता तत्काल प्रदान की गई ।श्री आईजी सेवा समिति के अध्यक्ष खेताराम गहलोत साहब मीडिया प्रभारी नारायण लाल सीरवी चोयल ओर सचिव नेमीचन्द चोयल एवं वरिष्ठ सदस्य मीडिया प्रतिनिधि कन्हैयालाल चोयल की मौजूदगी में दिलिपजी सीरवी गहलोत के छोटे भाई अशोक गहलोत सीरवी धर्मपत्नी ममता देवी एवं पुत्र विशाल सीरवी के हाथो अस्पताल में जाकर को उनके परिवार को यह राशि सपुर्द की गई।

आपदा नियंत्रण एवं निगरानी के लिए डिजास्टर कमांड एवं कण्ट्रोल सिस्टम स्थापित

भोपाल। राज्य में विभिन्न आपदाओं की निगरानी एवं नियंत्रण हेतु स्टेट डिजास्टर कमांड एवं कण्ट्रोल सिस्टम की स्थापना की गई है। यह व्यवस्था राज्य में विभिन्न प्रकार की आपदा, संकट अथवा आपातकालीन समय की स्थिति से निपटने के लिए लाइव निगरानी, नियंत्रण, जानकारी प्राप्त करना एवं जानकारी अनुसार सही निर्णय लेने में सहयोग प्रदान करेगा। सिस्टम के अंतर्गत राज्य एवं जिला स्तर पर डिजास्टर कमांड एवं कण्ट्रोल सिस्टम स्थापित किए गए है। राज्य स्तर - अंतर्गत होमगार्ड द्वारा, भोपाल में संचालित स्टेट डिजास्टर कमांड एंड कण्ट्रोल सेंटर स्थापित किया गया है। वल्लभ भवन में स्थापित स्टेट सिचुएशन रूम स्थापित किया गया है। जिला स्तर पर प्रत्येक जिले में डिस्ट्रिक्ट कमांड एंड कण्ट्रोल कॉल सेंटर स्थापित किये जा रहे हैं। पायलेट व्यवस्था अंतर्गत जिला - सीहोर, रायसेन एवं होशंगाबाद में जिला स्तरीय कॉल सेंटर प्रारंभ किये जा चुके हैं, शेष जिलों में 1 अगस्त तक कार्य प्रारंभ हो जाएगा। इसके अतिरिक्त प्रारंभिक चेतावनी प्रणाली (अर्ली वार्निंग सिस्टम) भी विकसित किया गया है, जो बांधों नदी के जल स्तर, जल संसाधन विभाग, मौसम विज्ञान विभाग एवं अन्य केंद्रीय और राज्य की विभिन्न एजेंसियों द्वारा वर्षा एवं बाढ़ सम्बन्धी इनपुट प्राप्त करेगी एवं सम्बंधित अधिकारीयों, व्यक्तियों को सूचना एवं चेतावनी प्रेषित करेगी। राज्य सिचुएशन रूम, वल्लभ भवन में प्रारंभिक स्तर पर 16 डिजिटल फीड प्राप्त किया जा रहा है, जिसमें विभिन्न महत्वपूर्ण स्थानों की जैसे धार्मिक स्थल उज्जैन एवं ओंकारेश्वर, 7 स्मार्ट सिटी के, सभी बिजली वितरण कंपनियां, 62 शहरों से ट्रैफिक एवं सीसीटीवी इनपुट, राज्य की जेलें एवं डायल 100, 108 वाहनों की लाइव लोकेशन ट्रैकिंग आदि का लाइव फीड प्रसारित किया जाएगा।

नेशनल लोक अदालत आज

भोपाल। भोपाल जिले एवं तहसील न्यायालयों में 10 जुलाई को नेशनल लोक अदालत आयोजित होगी। जिला विधिक सहायता अधिकारी ने बताया कि नेशनल लोक अदालत में आपराधिक, सिविल, विद्युत अधिनियम, श्रम, मोटर दुर्घटना दावा, बैंक रिकवरी, प्री-लिटिगेशन प्रकरण, नेगोशिएबल इन्स्ट्रूमेंट के अंतर्गत चैक बांउस प्रकरण, कुटुम्ब न्यायालय में लंबित प्रकरणों का पक्षकारों के आपसी सहमति से निराकरण किया जाएगा।

भाजपा मंडल गोरमी की वर्चुअल बैठक में सांसद ने कोविड काल मे सरकार के कार्यो को बताया

संतोष सिंह भदौरिया

पुष्पांजलि टुडे न्यूज़

9179661562

गोरमी। कोविड-19 चुनौतियों से सामना करता हुआ राष्ट्र विषय पर बरचुअल बैठक सम्पन्न हुई जिसमें मुख्य वक्ता के रूप मे प्रदेश भाजपा उपाध्यक्ष एवं भिण्ड दतिया की सांसद संध्या राय जी एवं अध्यक्षता भाजपा मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने की बैठक के प्रारंभ में स्वागत भाषण मंडल अध्यक्ष सुभाष थापक ने दिया। इसके बाद उपस्थित कार्यकर्ताओं का मार्गदर्शन करते हुए भिंड दतिया की सांसद श्रीमती संध्या राय ने कहा कि देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कोरोना काल में जिस प्रकार पूरी सरकार की ताकत आमजन की सेवा के लिए लगाई चाहे वह वेंटिलेटर हो दवाइयां हो ऑक्सीजन हो उपलब्ध कराई इसके अलावा कोरोना महामारी से भविष्य में कोई नुकसान ना हो इसके लिए विश्व का सबसे बड़ा वैक्सीनेशन महा अभियान चलाया सांसद संध्या राय ने कहा कोरोना अभी गया नही है इसलिए हम सबको अभी भी मास्क सैनिटाइजर का उपयोग करना है भीड़ भाड़ से बचना है।एवं गांव-गांव घर-घर जाकर लोगों को वैक्सीन के लिए प्रेरित करना है उन्होंने भाजपा कार्यकर्ताओं को भी धन्यवाद दिया कि उन्होंने कोरोना काल में आमजन की सेवा में चाहे मास्क वितरण हो

खाद्यान्न वितरण हो या अन्य स्वास्थ्य सुविधाओं की उपलब्धता हो जिस प्रकार आगे बढ़कर कार्य किया वह सभी एक-एक कार्यकर्ता धन्यवाद का पात्र है बैठक के अंत में आभार प्रकट मंडल महामंत्री निर्मल आर्य ने किया बैठक में मुख्य रूप से कोविड-19 के अभियान के जिला प्रभारी कमल सिंह तोमर डॉ भरत प्रताप सिंह भदौरिया रोहित करैया जयवीर पुरोहित अरविंद वर्मा राजकुमार जैन शिवराज यादव दिवाकर शर्मा संतोष भदौरिया अरविंद जैन मोनू शर्मा रज्जन भदौरिया दिनेश श्रीवास सुभास यादव मोनू जैन विधिराम कटारे मुकेश भदोरिया आदि कार्यकर्ता शामिल हुऐ।

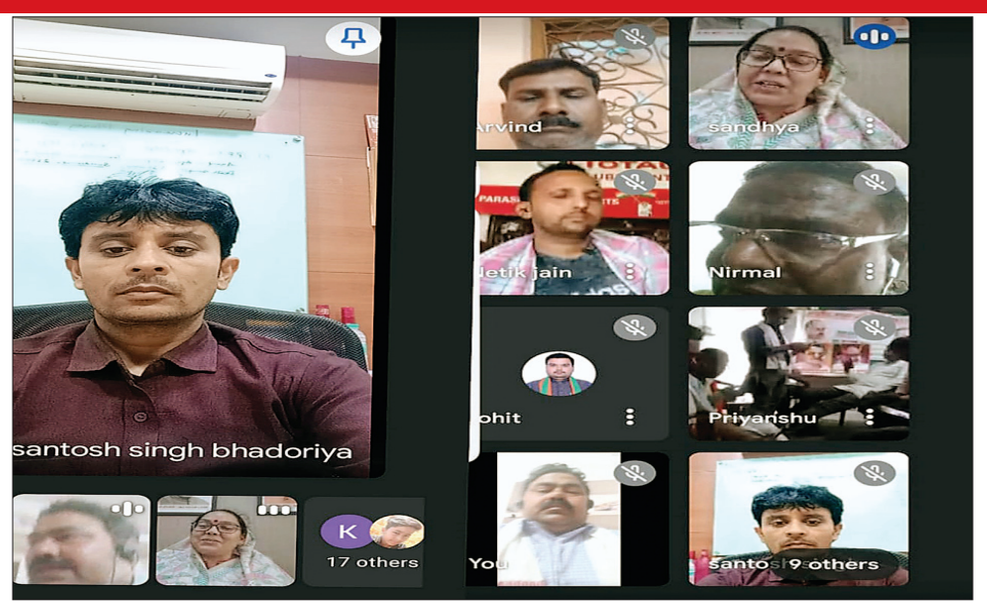

पूजा सपेरा को नसरुल्लागंज से उठाया गया है..

विक्की सपेरा बारे बाटपुरा विनोद सपेरा बार बाटपुरा रहते हैं

पुष्पांजली टुडे

सीहोर / राजा सपेरा मंडी भैयालाल सपेरा मंडी इसने पूजा सपेरा को बेचा 50,000 हजार मैं गोलू सपेरा को बेचा इसके 3 लड़के लड़की है 7 दिन तक कमरे में रखकर बलात्कार किया है लड़की के भाई माता पिता खोज किया है 7 दिन के बात लड़की फोन किया बोलो सपेरा को पुलिस प्रशासन ने गिरफ्तार किया है चार बाहर है उसके साथ कोई कार्रवाई नहीं किया है लड़की छिपानेर रेवासी है लड़की को बा रे बाट पूरा से लाया गया है लड़की को कोई हॉर्स नहीं था लड़की ने कोर्ट में बयान दिया उस समय कोई होश हवास नहीं था। बयान लड़के तरफ दीया है या मां बाप तरफ दिया है कोई हॉर्स नहीं था लड़की घर पर पहुंची तब जाकर हॉर्स आया तब जाकर माता पिता भाई को पहचाना उसको कोई पता नहीं ता मैं

कहां पर हूं ने तीनों ने मिलकर बलात्कार किया है जिला सीहोर ग्राम छिपानेर लड़की क्या परिवार बहुत खोज किया इंदौर भोपाल हर एक जगह तब जाकर बरबटी पूरा मैं मिली लड़की का कहना है के सरकार से गुजारिश करती हूं मेरे को इंसाफ चाहिए जैसा मेरे साथ हुआ है ऐसा किसी के साथ नहीं होगा।

पटवारी और आर आई के कामकाज से संतुष्ट ग्रामीण जिला कलेक्टर को सौंपा ज्ञापन

पाली।

पाली जिले के पाली ब्लाक के ग्राम पंचायत भावरी सरपंच सहित कुछ ग्रामीणों ने पटवारी और आर आई के खिलाफ लापरवाही बरतने एवं पंचायत के कामकाज में समर्थन नहीं देने का आरोप लगाया गया। इस बाबत में पाली जिला कलेक्टर

को ज्ञापन सौंपा गया। इसके विपरीत ग्राम पंचायत के उपसरपंच महंत ज्ञान दास महाराज के नेतृत्व में 36 कौम के ग्रामीणों ने झूठे आरोप लगाने वालों के खिलाफ पाली जिला मुख्यालय पर नारेबाजी कर के भारी विरोध प्रदर्शन जताते हुए जिला कलेक्टर को ज्ञापन सौंपा। ज्ञापन में बताया गया कि 36 कौम के ग्रामीण राजस्व विभाग के अंतर्गत लगे हुए कार्मिकों से ग्रामीण उनके कामकाज से पूरी तरह से संतुष्ट हैं। और कार्मिक पूरी तरह से सेवा भाव के साथ अपने कर्तव्य के आधार पर कार्य कर रहे हैं। ज्ञापन के दौरान उपसरपंच महंत ज्ञानदास महाराज। मांगू पूरी मठाधीश भावरी। सोहन सिंह शिवसेना पाली। दुर्गाराम। डायाराम पटेल भैरू सिंह अपाराम। बाबू सिंह आदि मौजूद रहे।

भगवा रक्षा दल ने गर्भवती गाय की जीवन लीला को जीवित रखा

नेनाराम सिरवी।

पाली/ सांडेराव सुमेरपुर हाईवे पर शनिवार को सिंदरु के पास, सांडेराव थाना क्षेत्र के अंतर्गत अज्ञात वाहन की टक्कर से गर्भवती गाय घायल हो गई सूचना मिलने पर भगवा रक्षा दल के पाली जिला युवा मोर्चा उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम दास किरवा व कार्यकारिणी सदस्य कमलेश मालवीय घटनास्थल पर पहुंचकर गाय का प्राथमिक उपचार किया तथा त्वरित सूचना ह्ढ्ढ के रूञ्ज ऑफिस में भी दी । घटना के बाद डेढ़ घंटे तक भी रूञ्ज के कर्मचारी या अधिकारी घटनास्थल पर नहीं पहुंचे तथा उनके द्वारा किसी प्रकार की सुविधा प्राप्त नहीं हुई तत्पश्चात पाली गौ रक्षा दल के सहयोग से सुरभि सेवा संस्थान की एंबुलेंस के माध्यम से घायल गोवंश को इलाज के लिए पाली गौशाला भेजा गया एंबुलेंस के साथ आए चिकित्सक ने बताया की गोवंश के पेट में पल रहे बच्चे की मृत्यु हो गई इस घटनाक्रम में रूञ्ज की लापरवाही स्पष्ट तौर पर नजर आ रही हैं मौके पर युवा मोर्चा जिला उपाध्यक्ष पुरुषोत्तम दास किरवा, कार्यकारिणी सदस्य कमलेश मालवीय, जगदीश कुमावत बालराई, विष्णु पाली वह अन्य कार्यकर्ताओं सहित ग्रामवासी एकत्रित (मौजूद) थे।

सेवड़ा भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष श्यामू ठाकुर ने मनाया भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार के रक्षा मंत्री का जन्मदिन

पुष्पांजली टुडे

सेवड़ा / भारतीय जनता पार्टी के पूर्व राष्ट्रीय अध्यक्ष एवं भारत सरकार के रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह जी का जन्मदिन आज समाज सेवा टीम के संयोजक एवं भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष श्यामू ठाकुर के नेतृत्व में सेवड़ा सनकुआ धाम पर मनाया गया वहीं बस्ती में पहुंचकर गरीब बच्चों को मिष्ठान वितरण एवं हवन पूजन व वृक्षारोपण के साथ भारत सरकार के रक्षा मंत्री जी का जन्मदिन बड़े ही धूमधाम व हर्षोल्लास के साथ भाजयुमो जिला उपाध्यक्ष श्यामू ठाकुर ने मनाया इस इस अवसर पर श्यामू ठाकुर ने कहा कि माननीय राजनाथ सिंह जी एक निर्विवाद लोकप्रिय जन नेता है उन्होंने अपने जीवन में जो कार्य किए हैं उसी की प्रेरणा लेकर हम सभी युवा साथी आगे बढ़ते रहेंगे और अच्छे कार्य करते रहेंगे इस अवसर पर उपस्थित जन निर्वेद सविता रवि सोनी अनुज पंडित बिल्टू रावत पुरुषोत्तम गुप्ता राकेश सोनी सुनील गुप्ता रघुवीर प्रजापति आदि समाज सेवा टीम उपस्थित रही।

विश्व जनसंख्या दिवस

इस लेख का उद्देश्य वर्तमान परिस्थितियों को समझने और जानने के लिए लिखा गया है। स्पष्ट है कि विश्व जनसंख्या दिवस हम सभी के लिए एक महत्वपूर्ण दिन होता हैं। इस दिन की शुरुआत 11 जुलाई 1989 में संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम द्वारा की गई थी, उस वक्त विश्व की जनसंख्या लगभग 5 अरब थी।इस जनसंख्या की ओर ध्यान देते हुए 11 जुलाई 1989 को विश्व जनसंख्या दिवस की घोषणा की गई। दुनिया भर में तीव्र गति से बढ़ती हुई जनसंख्या के कारण आने वाली समस्याओं के बारे में जागरूकता फैलाने के लिए इस दिन को मनाया जाता हैं। आज विश्व की जनसंख्या तीव्र गति से बढ़ रही हैं, जिससे हम सभी के सामने अनेक प्रकार की समस्याएं उत्पन्न हो रही हैं, अधिक जनसंख्या के लिए अधिक संसाधनों की आवश्यकता होती हैं,इसे विकसित देश तो आसानी से दे देते हैं, परंतु विकासशील देशों को अनेक प्रकार की कठिनाइयों का सामना करना पड़ता हैं, परंतु फिर भी जरूरतों की पूर्ति नहीं हो पाती। हमारे सामने अनेक प्रकार की समस्याएं जैसे बेरोजगारी की समस्या, आवास के लिए कृषि योग्य भूमि पर घर बनाए जा रहे हैं,और वनों की कटाई की जा रही हैं, जिससे प्रदूषण बढ़ रहा हैं, और दूसरी ओर ग्लोबल वार्मिंग की

समस्या भी हो रही हैं, जनसंख्या की तीव्र गति से वृद्धि के कारण प्राकृतिक संसाधनों का दोहन भी तीव्र गति से हो रहा हैं। आज मानव तेजी से प्रगति कर रहा हैं, नए नए आविष्कारों ने मनुष्य को पूरी तरह बदल दिया हैं, प्रसिद्ध कवि बालकवि बैरागी जी का नारा तो आपने अवश्य ही सुना होगा ÷हम दो हमारे दो÷ अस्पताल हो या सार्वजनिक स्थान सभी जगह यह नारा लिखा हुआ मिलता हैं। इस नारे ने परिवार नियोजन के लिए जनसंख्या पर रोक के लिए एक अलग ही काम किया हैं, इस नारे ने लोगों को सीख भी दिया हैं, इस नारे के तहत लोग अपना परिवार अच्छे से चला सकते हैं। पिछले कुछ वर्षों में समय बदला, पीढ़ी बदली और लोग जागरूक हुए हैं, गैरेट हार्डिन का कहना हैं÷ कि एक सीमित दुनिया केवल सीमित जनसंख्या को मदद कर सकती हैं इसलिए जनसंख्या वृद्धि अंततः शून्य के बराबर होनी चाहिए।÷ हम सभी ने मिलकर जनसंख्या को जल्द ही नियंत्रित नहीं किया तो इसे विकास के स्थान पर, विनाश का स्थान लेने अधिक देर नहीं लगेगी। हम सभी मिलकर इस दिन जनसंख्या वृद्धि के दुष्परिणाम लोगों के सामने रखें और लोगों को समझाए। इसलिए जनसंख्या नियंत्रण अति आवश्यक है।

शिवम रामटेक्कर
बालाघाट, मध्यप्रदेश

कमलनाथ की गाड़ी का गुल्ला टूट गया है उसे ठीक करिए: डॉ रमेश दुबे

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

(मोदी की दाढ़ी या लाइफ स्टाइल पर कुछ भी कहना मानसिक असंतुलन का परिणाम)

भिण्ड(ब्यूरो)। श्रीमन्त ज्योतिरादित्य सिंधिया जी ने शुक्रवार को सिविल एविएशन मिनिस्ट्री (नगर विमानन मंत्रालय) का पदभार संभाल लिया है। इस पर मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ जी ने उन्हें बधाई देते हुए साथ में तंज भी कसा और कहा कि यह बीजेपी और सिंधिया के बीच का मामला है देखते है यह गाड़ी आगे कैसे चलेगी।कमलनाथ जीने प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के दाढ़ी बढाने पर भी कटाक्ष किया।जिस पर पलटवार करते हुए प्रदेश भाजपा कार्यसमिति सदस्य डॉ रमेश दुबे ने कहा है आदरणीय कमलनाथ जी वृद्ध नेता है सीनियर है उन्हें अपनी गरिमा का ध्यान रखना चाहिए उनकी खुद की गाड़ी उनसे सम्हली नही मात्र डेढ़ वर्ष में ही उनकी गाड़ी का गुल्ला टूट गया और सरकार गिर गई ,अब जब श्रीमन्त ज्योतिरादित्य सिंधिया की कार्यक्षमता योग्यता संयम और अनुशासन को देखकर प्रधान मंत्री श्री मोदी जी और भाजपा शीर्ष नेतृत्व ने उन्हें कैबिनेट में जगह देकर एक महत्वपूर्ण मंत्रालय की जिम्मेदारी दी है, तो कमलनाथ जी को हताशा हो रही है।डॉ रमेश दुबे ने कहा कि आदरणीय कमलनाथ जी गाड़ी छलांगे मारते हुए चलेगी और अपने मुकाम तक सकुशल पहुंचेगी आप उस गाड़ी की चिंता छोड़कर अपनी गाड़ी की पंचर जुड़वाए,जिससे वो चलने लायक हो जाये। श्री कमलनाथ ने देश महंगाई और पेट्रोलियम पदार्थों में वृद्धि के सवाल पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी तंज कसा। उन्होंने कहा-महंगाई की कोई सीमा नहीं है। मोदी जी लंबे-लंबे भाषण देते थे। 2013-2014 के भाषण घोषणाएं, स्लोगन दिए थे स्टैंडअप इंडिया, डिजिटल इंडिया यह कहां है,उन्होंने दाढ़ी बढ़ा ली है तो अच्छे लग रहे हैं। उन्होंने एस सी एस टी के लोगो की सुरक्षा की बात कहते हुए उन्हें मध्यप्रदेश में असुरक्षित बताया उनके इस बयान का जवाब देते हुए डॉ रमेश दुबे ने कहा कि जिन एस सी एस टी की आज कमलनाथ जी याद कर रहे है तब कहाँ थे जब उनकी सरकार थी और दलित वर्ग भयभीत था।आज तो प्रधानमंत्री मोदी जी पूरे देश मे और मुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी मध्यप्रदेश में भय मुक्त समाज के लिए निरंतर प्रयास कर रहे है।समाज के हरवर्ग में शांति है तरक्की है।।डॉ रमेश दुबे ने कहा है कि कमलनाथ जी का मानसिक संतुलन उम्र और बीमारियों के चलते गड़बड़ा गया है तभी वे देश के प्रधानमन्त्री आदरणीय नरेंद्र मोदी जी की दाढ़ी तक पर निशाना साध रहे है।अरे किसी के भी निजी पहनावे निजी जीवन शैली पर टीका टिप्पणी करना उसे भी राजनीति के चश्मे से देखना ये मानसिक दिवालिया पन है।डॉ दुबे ने कहा है कमलनाथ जी वृद्ध है बीमार भी है तो अच्छा हो अपना इलाज अच्छे से करवाये और घर पर रहकर आराम करें। उनके लिए यही उचित होगा। जहां तक मध्यप्रदेश की बात है तो श्रीमन्त जोतिरादित्य सिन्धिया जी के कैबिनेट मंत्री बनने से पूरे प्रदेश की जनता हर्षित है और मुख्य मंत्री शिवराज सिंह चौहान जी के हाथों में पूरे प्रदेश में हर वर्ग जनता पूरी तरह सुरक्षित है और भाजपा शासन काल मे गर्व महसूस कर रही है।

सेहत से खिलवाड़ कर रहे व्यापारी

शहर में मिलावट खोरों पर छापामार कार्यवाही

उमाकान्त शर्मा, पुष्पांजली टुडे

भिण्ड। छैना कारोबारियों पर भिंड पुलिस ने शनिवार की दोपहर छापामार कार्रवाई की। यहां पुलिस को छैना के लिए तैयार की गई कढ़ाई की चासनी में चीटों से पटी हुई मिली। छैना बनाने वाले पाउडर को सड़ता हुआ पाया। फूड सेफ्टी मानकों को पूरा न होता हुआ देख पुलिस ने सैम्पल भरे और दो कारोबारियों को उठाकर अपने साथ थाने लाई। यह कार्रवाई महिला डीएसपी पूनम थापा की टीम द्वारा की गई।

शुक्रवार की शाम पुलिस को सूचना मिली की शहर के वायपास स्थित स्वतंत्र नगर में छैना कारोबारी मिलावट खोरी कर रहे है। वे सस्ते, नकली पाउडर से छैना तैयार करके सस्ते दामों में बेच रहे है। यह सूचना की पुष्टि होने पर शनिवार की दोपहर करीब दो बजे डीएसपी थापा और महिला थाना प्रभारी रतना जैन समेत अन्य जवान दलबल के साथ पहुंचे।

कढ़ाई में चीटों से पटी थी चासनी गंदगी के बीच बना रहा था छैना सड़ रही थी मैदा

पुलिस ने भरे सैम्पल, दो कारोबारियों को उठा, शनिवार दोपहर पुलिस ने की कार्रवाई

यहां सबसे पहले वे मुन्नेश छैना भंडार पर छापा मारा। यहां उन्हें हर ओर गंदगी नजर आई। छैना के लिए तैयार की गई खाद्य सामग्री से दुर्गंध उठ रही थी। इसके अलावा कढ़ाई में चासनी तैयार की गई थी पूरी चासनी भी चीटों से भरी हुई थी। इसके बाद पुलिस ने मौके से बही खाते और बिलिंग दस्तावेजों को जब्त किया। छैना और उससे बनाने वाले खाद्य सामग्री का सैम्पल लिया।

इसी जगह पर दूसरे छैना कारोबारी अरविंद छैना भंडार पर कार्रवाई की। यहां कार्रवाई के दौरान दूध खरीदी और छैना तैयार करने वाली सामग्री की जानकारी ली। यहां से भी छैना व उसको तैयार किए जाने वाले सामग्री का सैम्पल लिया। दोनों ही कारोबारी को पूछताछ के लिए पुलिस अपने साथ लेकर आई। हालांकि इन कारोबारियों के यहां डेढ़ महीने पहले छापामार कार्रवाई हुई थी। इसके बाद भी इन कारोबारियों के रवैए में कोई सुधार नहीं हुआ है।

दूध के रेट 60 रुपया लीटर, छैना बेच रहे 100 रुपए KG

पुलिस द्वारा की गई कार्रवाई में क्रिटंलों छैना तैयार मिला। यहां ऑर्डर पर छैना, क्रीम, पनीर खोआ आदि तैयार करके बेचा जा रहा है। सबसे खास बात यह है कि यह कारोबार शुद्ध दूध से छैना, पनीर, क्रीम आदि तैयार करने का दावा ठोकते रहे। वहीं, शहर में दूध का रेट 60 रुपए प्रति लीटर है। जबकि वो छैना को तैयार करके 100 रुपए प्रति किलो के हिसाब से बेचने के लिए ऑर्डर बुक कर रहे थे।

फूड सेफ्टी अफसर नहीं पहुंचे मौके पर

पुलिस विभाग द्वारा की गई कार्रवाई में फूड सेफ्टी विभाग के अफसर शामिल नहीं हुए। मौके पर पहुंचकर डीएसपी थापा ने फूड सेफ्टी अफसरों को फोन पर सूचना दी और आने को बोला। परंतु उन्होंने स्वयं को व्यस्त बताते हुए आने से इनकार कर दिया।

अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद द्वारा मनाया गया नगर इकाई पिछोर में अभाविप राष्ट्रीय 73वें स्थापना दिवस

राकेश परिहार रिपोर्टर, पुष्पांजली टुडे

पिछोर / 9 जुलाई को स्थापना विश्व के सबसे बड़े छात्र संगठन सदेव छात्र समाज के उत्थान व नव जीवन निर्माण में तत्पर अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद ने अपने 73 वर्ष पूरे किए नगर इकाई पिछोर के मीडिया प्रभारी प्रथम अग्निहोत्री ने बताया कि 9 जुलाई को स्थापना दिवस के अवसर पर विद्यार्थी परिषद इकाई पिछोर ने इस विकराल कोविड 19 विषाणु के दौरान कोविड योद्धा के रूप में प्रमुखत मुख्यत कार्य करने वाले चिकित्सकों को एवं नर्स स्टाफ का सम्मान समारोह आयोजित किया गया मंच संचालन कर रहे श्री आशीष जी भदोरिया जी ने कार्यक्रम

प्रारंभ कराया इस पुनीत कार्य की प्रमाणिकता हेतु इसी कड़ी में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र स्कूल के डॉक्टरों को चिकित्सक एवं स्टाफ को प्रमाण पत्र वितरित किए कार्यक्रम में मुख्य अतिथि मेडिकल ऑफिसर डॉ श्री संजीव वर्मा जी वरिष्ठ अतिथि राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ अखंड कार्यवाह श्री आशीष जी वर्मा मुख्य वक्ता श्री आदित्य पाठक व स्वास्थ्य केंद्र के चिकित्सक श्री ब्रह्म तीर्थ चतुर्वेदी जी व प्रांत कार्यकारिणी सदस्य देवाशीष भदोरिया जी मैं अपनी व्यवस्था दिनचर्य में से कुछ समय कार्यक्रम के लिए प्रदान किया समापन के दौरान नगर मंत्री दीपक जी पाल ने आए हुए सभी अतिथियों का आभार व्यक्त किया व समापन कराया सम्मान समारोह कार्यक्रम के दौरान विद्यार्थी परिषद के कार्यकर्ता नगर अध्यक्ष रामपाल लोधी शिवराज सिंह वर्मा संजीव पाल सत्यम शर्मा सत्येंद्र विंदुया निलय भट्ट रोहित पाठक आकाश जोशी राधा भट्ट भूमि अवस्थी एवं सभी कार्यकर्ता कार्यक्रम में मुख्य रूप से उपस्थित रहे।

राज्यपाल पटेल ने भगवान महाकालेश्वर का पूजन-अर्चन किया

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ

पुष्पांजली टुडे

उज्जैन। प्रदेश के राज्यपाल मंगुभाई पटेल ने आज सुबह 11 बजे श्री महाकालेश्वर मंदिर पहुंचकर भगवान महाकाल का विधि-विधान से पूजन-अर्चन किया। पूजन पं.घनश्याम शर्मा द्वारा करवाया गया। राज्यपाल ने गणपति मंडप की बेरिकेटिंग की प्रथम रो से पूजन-अर्चन किया। इस अवसर पर उच्च शिक्षा मंत्री डॉ.मोहन यादव, विवेक जोशी मौजूद थे। पूजन उपरांत महाकालेश्वर मंदिर के प्रशासक एवं एडीएम श्री नरेंद्र सूर्यवंशी ने महामहिम राज्यपाल को शाल, प्रसाद एवं भगवान श्रीमहाकालेश्वर का चित्र भेंट कर स्वागत किया।

ऐसा मनाया जन्मदिन की माँ के आँसू छलक आए'

पंकज त्रिपाठी स्टेट ब्यूरो चीफ, पुष्पांजली टुडे

खरगोन। एक गरीब माँ की आंखे उस समय झलक उठी जब उसको पता चला कि आंगनवाड़ी में उसके लाडले का जन्मदिन मनाया गया। ऊन बुजूर्ग क्रमांक 6 आंगनवाड़ी केन्द्र में गुरूवार को बिल्कुल सादे मगर एक अनोखे अंदाज में माँ सरू और पिता रवि के दो बर्षीय लाडले रिक्की का जन्मदिन मनाया और खूब आंगनवाड़ी कार्यकर्ता व सहायिकाओं ने फोटो, वीडियो बनाए। जब फोटो, वीडियो मॉ सरू का दिखाए गए तो वो अपनी ऑखों को रोक न पाई। 18 जून 2019 को जन्मे रिक्की का लॉकडाउन के कारण जन्मदिन नहीं मना पाए थे। इसलिए गुरूवार को कार्यकर्ता मंगला पाटीदार अपने घर से केक बनाकर लेकर आई। इसके बाद आंगनवाड़ी में टेबल-कुर्सियां सजाई गई और बच्चों ने अपने सहपाठी दोस्त रिक्की को जन्मदिन की बधाईयॉ दी। सुपरवाइजर ज्योति चौहान ने बताया कि जन्मदिन पर केक के अलावा लड्डू, मुँगफली के दाने, चने और सुरजने की पत्तियों से बने पकवान का नास्ता परोसा गया। वही केक विभाग के

टीएचआर से बनाया जिसमें घी, पिसा हुआ खोपरा, इलायची और सुरजने के पावडर से बनाया गया।

वैसे तो अभी स्कूल कॉलेज और सभी ऑगनवाडियाँ बंद है। लेकिन कुछ बच्चे जो अतिकम और कम वजन के है उनके आहार की चिंता आज की जा रही है। इन दिनों ऑगनवाड़ियों में बगियाँ बनाने के साथ-साथ व्यवस्थित तरीके से टेबल-कूर्सी या आसन लगाकर बच्चों को संतुलित आहार दिया जा रहा है। ऐसा कुछ पहले भी था मगर अब अनेक ऑगनवाड़ी कार्यकर्ता नवाचार करने लगी है। अब बच्चों को ब्रेक फास्ट के लिए बकायदा टेबल-कूर्सी पर बिठाया जाने लगा है। इसके अलावा लंच में भी कुछ ऐसी ही टेबल-कूर्सी लगाकर अलग अंदाज में भोजन कराया जाने लगा है। आंगनवाड़ी कार्यकर्ता इन दिनों बगियॉ लगाने में भी व्यस्त है और कुपोषित बच्चों को सु-पोषण देने की दिशा में भी आगे बढ़ रही है। वहीं कुद आंगनवाड़ी कार्यकर्ता बच्चों को भोजन में दिए जाने वाले चीजों का नाम भी बताकर उनको खाने के लिए प्रेरित करने लगी है।

एमपी मैं दलबदल का सिलसिला जारी है चंबल के इस नेता ने थामा कांग्रेस का हाथ कांग्रेश चंबल मैं अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए दलबदल का खेल जारी

बृजपाल सिंह गुर्जर संवाददाता, पुष्पांजली टुडे

मेहगांव विधानसभा के पूर्व बसपा प्रत्याशी ने थामा कांग्रेस का हाथ यह सिलसिला आगामी चुनावों 2021 से मध्यप्रदेश में दलबदल का सिलसिला जारी है अब कांग्रेस ने अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए भिंड के मेहगांव विधानसभा के कद्दावर नेता रणजीत सिंह गुर्जर पूर्व बसपा प्रत्याशी मेहगांव विधानसभा मैं रणजीत सिंह गुर्जर ना कि गुर्जर समाज बल्कि सर्व समाज के प्रिय नेता माने जाते हैं सभी से प्यार से मधुर वाणी और अपने अद्भुत छवि के लिए जाना जाता है जो जनता के हर दुख सुख में खड़े रहते हैं पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ सिंह से रणजीत सिंह गुर्जर ने कांग्रेस की सदस्य ग्रहण की और इस मौके पर पूर्व मंत्री डॉक्टर गोविंद सिंह और पूर्व विधायक रामनिवास रावत जी उपस्थिति रहे कांग्रेश ने अपनी पकड़ मजबूत करने के लिए चंबल के भिंड जिले के मेहगांव विधानसभा से अपने पकड़ को मजबूत किया रणजीत सिंह गुर्जर को अपने साथ शामिल किया सूत्रों से मिली जानकारी के अनुसार पता चला है कि इसमें डॉक्टर गोविंद सिंह पूर्व मंत्री लहार विधायक की रही है महत्वपूर्ण भूमिका।

'मोदी सरकार सरकार ने पिछड़ा वर्ग समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कार्य किया : नाथू सिंह'

नीरज त्रिपाठी पुष्पांजली टुडे

भिण्ड(ब्यूरो)। आजादी के बाद से कांग्रेस पिछड़ा वर्ग के कल्याण की सिर्फ बातें करती रही, किया कुछ नहीं। लेकिन भारतीय जनता पार्टी जो कहती है, उस पर अमल करना भी जानती है। प्रधानमंत्री मोदी की सरकार द्वारा हाल ही में किया गया मंत्रिमंडल का विस्तार इसका उदाहरण है। सबका साथ, सबका विकास और सबका विश्वास की भावना के अनुरूप इस मंत्रिमंडल में पिछड़ा वर्ग के सांसदों को पहली बार इतनी बड़ी संख्या में प्रतिनिधित्व दिया गया है। मोदी सरकार का यह मंत्रिमंडल विस्तार अंत्योदय की दिशा में एक बड़ा कदम है। यह बात भारतीय जनता पार्टी जिला अध्यक्ष नाथू सिंह गुर्जर ने भिंड सर्किट हाउस पर मीडिया से चर्चा के दौरान कही। उन्होंने केंद्रीय मंत्रिमंडल में पिछड़ा वर्ग के 27 सांसदों को शामिल किए जाने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के प्रति आभार जताया। और कहा कि अन्य राजनीतिक दल पिछड़ा वर्ग समाज के उत्थान की बात नहीं करते मातृ समाज को तोड़ने का काम करते हैं और उनके वोट बैंक के साथ राजनीति करते हैं देश में ऐसा ही एक राजनीतिक दल है भारतीय जनता पार्टी जो सर्व समाज को साथ लेकर पंडित दीनदयाल उपाध्याय के अंत्योदय मिशन के साथ विकास की दिशा में काम करती है ।

भाजपा जिला अध्यक्ष गुर्जर ने कहा कि प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार से पहले केंद्र में ऐसी कई ऐसे दलों की सरकारें रही हैं, जिनके लिए पिछड़ा वर्ग सिर्फ वोटबैंक रहा है। यहां तक कि ऐसे क्षेत्रीय दल जिनकी राजनीति का आधार ही जाति और वर्ग रहे हैं, उन्होंने भी पिछड़ा वर्ग के कल्याण के लिए कोई काम नहीं किया। उन्होंने कहा कि देश की कुल आबादी का 52 प्रतिशत इस वर्ग में आता है, लेकिन इन दलों ने कभी भी ओबीसी को पर्याप्त प्रतिनिधित्व नहीं दिया। हाल ही के मंत्रिमंडल विस्तार में प्रधानमंत्री मोदी ने पहली बार ओबीसी के 27 सांसदों को अपने मंत्रिमंडल में शामिल किया है, जो 15 राज्यों से हैं। इनमें से पांच को कैबिनेट मंत्री और 22 को राज्यमंत्री बनाया गया है।

उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री के इस निर्णय से देश में पहली बार ओबीसी को मंत्रिमंडल में पर्याप्त प्रतिनिधित्व मिला है। और कांग्रेश ने आज तक देश और प्रदेशों में राजनीति शासन किया लेकिन पिछड़ा वर्ग समाज को विकास की मुख्यधारा से जोड़ने का कोई कार नहीं दिया उन्होंने कहा प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि प्रधानमंत्री आवास योजना उज्ज्वला योजना आयुष्मान भारत योजना राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग का गठन कर समाज के लोगों को उचित न्याय दिलाने का काम किया है जिससे हमारा समाज आज गदगद है ।

भाजपा पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष वरिष्ठ अभिभाषक अमृतपाल सिंह बघेल ने कहा कि वर्ष 2014 में जब से केंद्र में प्रधानमंत्री श्री मोदी की सरकार बनी है, यह सरकार सभी वर्गों के साथ-साथ पिछड़ा वर्ग के हितों की भी चिंता करती रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने यह महसूस किया कि न तो इस वर्ग के उत्थान और विकास के लिए पर्याप्त प्रयास किए गए हैं और न ही इस वर्ग के लोगों की आबादी के अनुपात में सरकारों में प्रतिनिधित्व दिया गया है। पिछड़ा वर्ग के कल्याण के प्रति संकल्पित प्रधानमंत्री मोदी की सरकार ने वर्ष 2017 में 123 वां संविधान संशोधन विधेयक प्रस्तुत कर राष्ट्रीय पिछड़ा वर्ग आयोग को संवैधानिक दर्जा प्रदान किया, जिसका लाभ पिछड़ा वर्ग के लोगों को मिलने लगा है।

पिछड़ा वर्ग मोर्चा के जिला अध्यक्ष बघेल ने कहा कि प्रधानमंत्री जी के इस निर्णय से पूरे देश में पिछड़ा वर्ग के लोगों में हर्ष व्याप्त है और वे गर्व महसूस कर रहे हैं। बघेल ने कहा कि देश के इतिहास में पहली बार पिछड़ा वर्ग को यह सम्मान मिला है और इसके लिए प्रदेश का पिछड़ा वर्ग मोर्चा इस वर्ग के सभी लोगों की ओर से प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त करता है।

पत्रकार वार्ता में पिछड़ा वर्ग मोर्चा के प्रदेश कार्यकारिणी के सदस्य रामअवतार शिवहरे ,देवेंद्र सिंह बघेल, दशरथ सिंह गुर्जर, जिला महामंत्री सत्यवान सिंह नरवरिया, राम सिंह कुशवाहा, सरपंच रमेश सिंह बघेल पूर्व सरपंच दिलीप सिंह बघेल प्रमुख शामिल थे ।

वन-टू-वन

कैट की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की बैठक संपन्न

ग्वालियर। कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की राष्ट्रीय कार्यकारिणी की 2 दिवसीय बैठक नई दिल्ली में आयोजित हुई। कैट मध्यप्रदेश अध्यक्ष भूपेन्द्र जैन के साथ कैट मध्यप्रदेश टीम ने केन्द्रीय महिला एवं बाल विकास मंत्री श्रीमती स्मृति ईरानी से भेंट की और उन्हें कैट मध्यप्रदेश की गतिविधियों से अवगत कराया। इस अवसर पर कैट मध्यप्रदेश संयुक्त अध्यक्ष सुनील अग्रवाल, उपाध्यक्ष सुनील जैन 501, महेश थरवानी, महामंत्री मुकेश अग्रवाल, कोषाध्यक्ष मनोज चौरसिया, संयुक्त सचिव अनिल जैन, राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती कविता जैन, प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य श्रीमती रीना गाँधी, प्रिया दास, रीवा जिलाध्यक्ष अमरजीत सिंह लकी सहित अनेक पदाधिकारी उपस्थित थे।

महिला की मारपीट लूट मकान पर कब्जा

ग्वालियर। पुरानी छावनी थाना क्षेत्र में सुसेरा गांव में बीती रात चार लोगों ने एक महिला की मारपीट कर उसके घर में रखे सोने-चांदी के गहने लूट लिए और उसके मकान पर कब्जा कर लिया। पुलिस ने फरियादी की शिकायत पर आरोपियों के खिलाफ लूट का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार सुसेरा गांव में रहने वाली उषा देवी शर्मा के मकान पर बीती रात रघुवीर सिंह मान सिंह राम लखन और रिंकू आए और महिला की मारपीट कर उसे बंधक बनाकर उसके घर में रखा गृहस्ती का सामान तथा सोने-चांदी के गहने लूटकर ले गए और उसके मकान पर कब्जा कर लिया ।बाद में महिला थाने पहुंची और शिकायत दर्ज कराई पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है

मंदिर के ताले चटके दान पेटी से नगदी चोरी

ग्वालियर। शहर के माधव गंज थाना क्षेत्र में एक मंदिर के ताले चटका कर चोरों की दानपेटी से नगदी चोरी कर ले गए पुलिस ने चोरों की तलाश शुरू कर दी है ।जानकारी के अनुसार माधव गंज थाना क्षेत्र के सोलंकी धर्मशाला के पास शीतला माता मंत्र एक सार्वजनिक मंदिर है। बीती रात चोरों ने मंदिर के ताले चटका दिया और वहां रही दान पेटी से नगदी चोरी कर ले गए। पुलिस ने मंदिर के सेवादार की शिकायत पर अज्ञात चोरों के खिलाफ चोरी का मामला दर्ज कर उनकी तलाश शुरू कर दी है।

अधेड़ ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

ग्वालियर। शहर के कंपू थाना क्षेत्र में स्थित जवाहर कालोनी में रहने वाले एक अधेड़ ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार कंपू थाना क्षेत्र के जवाहर कॉलोनी निवासी कन्हैया उम्र 55 साल ने अपने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली ।घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर आ गई और मृतक के शव को पीएम के लिए भेज मर्ग कायम कर जांच शुरू कर दी है।

स्वर संस्कार की महफिल का आयोजन आज

ग्वालियर। स्वर संस्कार महफिल का आयोजन 11 जुलाई को किया जाएगा। यह कार्यक्रम रात 8ः30 बजे से लाइव होगा। इसमें शहर की गायिका नीतू प्रसाद और पीयूष झा सुगम संगीत की प्रस्तुति देंगे। इनके साथ गिटार पर शिव कुमार शर्मा और तबले पर सलामन रेहान खान संगत करेंगे। कार्यक्रम स्वर संस्कार पेज पर लाइव होगा।

एबीवी ट्रिपल आईटीएम में पीएचडी के लिए लिखित परीक्षा आज

ग्वालियर। अटल बिहारी वाजपेयी इंडियन इंस्टीट्यूट ऑफ इन्फॉर्मेशन टेक्नोलॉजी एंड मैनेजमेंट (एबीवी ट्रिपल आईटीएम) ने फुल टाइम और पार्ट टाइम पीएचडी के लिए शेड्यूल जारी कर दिया है। इसके मुताबिक फुल टाइम पीएचडी के लिए शॉर्ट लिस्ट उम्मीदवारों की ऑनलाइन लिखित परीक्षा 11 जुलाई को सुबह 11 बजे से होगी। इसके लिए उन्हें 45 मिनट मिलेंगे। इसमें क्वालिफाई करने वाले उम्मीदवारों का इंटरव्यू 12 और 13 जुलाई को होगा। फुल टाइम पीएचडी के लिए 35 उम्मीदवारों की सूची जारी की गई है। पार्ट टाइम की शॉर्ट लिस्ट में 6 उम्मीदवार हैं। इन सभी के लिए 13 जुलाई को ऑनलाइन प्रजेंटेशन और इंटरव्यू होगा। संस्थान एप्लाइड साइंस, इंजीनियरिंग, मैनेजमेंट में फुल टाइम पीएचडी कराएगा।

लापता दो भाई बेरजा गांव में मिले: साइकिल चलाते-चलाते भटक गए थे रास्ता, पहुंच गए बेरजा गांव

रातभर सड़क पर सोए, सुबह राहगीर के फोन से परिजन को दी खबर

ग्वालियर। ग्वालियर के माधवगंज से साइकिल चलाते हुए लापता हुए दो भाई चितौरा रोड पर बेरजा गांव में मिले हैं। दोनों भाई शुक्रवार सुबह 11 बजे लापता हुए थे। रात भर उन्होंने हाइवे किनारे काटी है। शनिवार दोपहर उन्होंने एक राहगीर की मदद से अपने पिता को कॉल किया। इसके बाद परिजन दोनों को वापस लेकर आए हैं बच्चों ने बताया कि वह साइकिल चलाते-चलाते रास्ता भटक गए थे। बच्चे तो मिल गए हैं, लेकिन एक बड़ी घटना टल गई है। कहीं किसी गिरोह के हाथ में यह बच्चे लग जाते तो स्थिति खतरनाक हो सकती थी। शहर के गेंडेवाली सड़क निवासी मुकेश राजौरिया पुत्र अमरचंद्र राजौरिया टैक्सी चालक है। मुकेश की ससुराल माधवगंज काली माता मंदिर के पास है। शुक्रवार सुबह वह परिवार सहित ससुराल आया था। सुबह 11 बजे मुकेश का बेटा विनय (10) और उसके साले जितेन्द्र का बेटा आयुष पाराशर (10) साइकिल लेकर निकल गए। काफी देर तक जब वह वापस नहीं आए तो परिजन ने अपने स्तर पर

उनकी तलाश की, लेकिन पूरा इलाका छान लेने के बाद भी उनका कहीं भी पता नहीं चला। परेशान परिजन रात को माधवगंज थाने पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने उनकी शिकायत पर अपहरण का मामला दर्ज कर लिया है। साथ ही आसपास के इलाके में CCTV कैमरे भी खंगाले। पर कुछ पता नहीं चला।

रास्ता भटककर चितौरा रोड पहुंच गए थे दोनों बच्चे

शनिवार दोपहर 1 बजे अचानक एक राहगीर का फोन आया। वहां से हैलो पापा सुनकर मुकेश की जान में जान आई। राहगीर ने बताया कि यह बच्चे यहां बेरजा गांव के रास्ते पर खड़े हैं। यह कह रहे हैं कि यह खो गए हैं। इसके बाद परिजन ने पुलिस को सूचना दी और तत्काल बेरजा गांव पहुंचे। दोनों बच्चों को लेकर वापस लौटे हैं। बच्चों ने बताया कि वह साइकिल चलाते-चलाते बहुत दूर निकल गए। फिर उन्हें रास्ता नहीं मिल रहा था। इसके बाद रात हो गई। उन्हें डर लगने लगा। वह सड़क किनारे ही सो गए। सुबह फिर घर के लिए निकले तो कुछ समय नहीं आ रहा था। एक अंकल से मदद मांगी तो पापा को फोन करवाया।

बचपन का दोस्त निकला ठेकेदार का कातिल

भाई से ज्यादा विश्वास करता था, उधार लिए 4 लाख रुपए लौटा नहीं सका तो शराब पिलाकर मार डाला

ग्वालियर। ग्वालियर में एक दिन पहले ठेकेदार की हत्या करने वाला उसका बचपन का दोस्त अमित जैन ही निकला। दोनों स्कूल के समय से ही दोस्त थे। बताया जाता है कि ठेकेदार उस पर अपने भाई से ज्यादा विश्वास करता था। आरोपी ने 4 लाख रुपए ठेकेदार से उधार लिए थे। वह लौटा नहीं पा रहा था। इसी बात को लेकर उसने अन्य दोस्तों के साथ मिलकर पार्टी के बहाने पहाड़ी पर बुलाया। यहां शराब पिलाई और साफी से गला घोंटकर मार डाला। शुक्रवार सुबह सिरोल पहाड़ी पर ठेकेदार का शव मिला था। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है

गोला का मंदिर में पुरुषोत्तम विहार निवासी सचिन तोमर पुत्र श्यामवीर

तोमर प्रॉपर्टी डीलर और ठेकेदार था। वह मार्केट में ब्याज पर भी पैसा चलाता था। गुरुवार रात वह घर से कार लेकर निकला था। रात 10 बजे उनका मोबाइल बंद हो गया था। उसने मोहना किसी से पैसे लेने जाने की बात कही थी। शुक्रवार सुबह सिरोल थाना पुलिस को गश्त के दौरान एक कार सिरोल पहाड़ी पर लावारिस हालत में खड़ी देखी। कार के अंदर देखा, तो अंदर एक युवक मृत अवस्था में पड़ा था। पुलिस ने कार के नंबर से जांच की, तो मृतक की पहचान सचिन तोमर के रूप में हुई। सूचना पर परिजन भी मौके पर पहुंच गए। शव नीला पड़ गया था, जिससे जहर देने की आशंका भी थी। पुलिस ने फोरेंसिक एक्सपर्ट साइंटिस्ट अखिलेश भार्गव को मौके पर बुलाया था। उन्होंने साफी से गला घोंटने की बात कही थी। पुलिस ने जहर की आशंका के चलते भी बिसरा सुरक्षित रख लिया था।

रुपए मांगने पर इतनी नफरत कि दोस्त का गला दबा दिया

मृतक के परिजन ने बताया था कि वह किसी से रुपए लेने मोहना गया था। पनिहार के टोल पर जाते और आते समय गाड़ी दिखाई भी दी है। यहीं से पुलिस को क्लू मिला। गाड़ी में सचिन के साथ दही मंडी का व्यापारी व उसके स्कूल टाइम का दोस्त अमित जैन भी था। फिर पुलिस ने अमित को उठाया और पूछताछ की। पहले तो वह गुमराह करता रहा, लेकिन पुलिस ने सख्ती की, तो उसने पूरी कहानी बता दी।पुलिस को बताया, सचिन से उसने 4 लाख रुपए उधार लिए थे, पर वह लौटा नहीं पा रहा था। सचिन बार-बार मांग रहा था, इसलिए उसने दो अन्य साथियों के साथ हत्या कर दी।

पहले शराब पिलाई फिर साफी से गला घोंटा

अमित ने पुलिस को बताया कि मोहना से लौटते समय अमित ने सचिन को शराब पार्टी करने के लिए कहा फिर गाड़ी को सिरोल पहाड़ी पर ले गए। यहां चारों ने शराब पार्टी की। जब सचिन को नशा होने लगा तो अमित ने गले में साफी से गला घोंट दिया। जब अमित, सचिन का गला घोंट रहा था तो उसके दोनों साथी सचिन के हाथ पकड़े थे। इसके बाद वह चाबी, मोबाइल और पर्स लेकर भाग गए। पुलिस ने अमित को हिरासत में लेकर मामले का खुलासा किया है।

अमित को पता था धंधा

ठेकेदार ब्याज पर भी पैसा चलाता था। बाजार में व्यापारियों को वह अमित के माध्यम से ही पैसा देता था। दोनों के बीच में अच्छी ट्यूनिंग थी।

गैर घरेलू एवं औद्योगिक इकाईयों के बिलो में चार से छह वर्ष पुरानी रिकवरी जोड़कर की जा रही जबरन वसूली को रोका जाए : एमपीसीसीआई

ग्वालियर। म.प्र. चेम्बर ऑफ कॉमर्स एण्ड इण्डस्ट्री (एमपीसीसीआई) द्वारा गैर घरेलू एवं औद्योगिक इकाईयों के बिलो में चार से छह वर्ष पुरानी रिकवरी जोड़कर की जा रही जबरन वसूली की कार्यवाही को रोके जाने के संबंध में आज ऊर्जा मंत्री म.प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी के प्रबंध संचालक एवं मुख्य महाप्रबंधक ग्वालियर रीजन को पत्र प्रेषित किया गया है। एमपीसीसीआई द्वारा प्रेस को जारी विज्ञप्ति में अवगत कराया गया है कि म. प्र. मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी द्वारा गैर घरेलू एवं औद्योगिक इकाईयों के बिलों में चार से छह वर्ष पुरानी ऑडिट रिकवरी राशि निकाल कर, नियमित बिलों में जोड़कर भेजी जा रही है जिसके कारण उपभोक्ता परेशान हो रहे हैं और इस कार्यवाही से वितरण कंपनी के प्रति आक्रोश उत्पन्न हो रहा है।

स्वात्वाधिकारी, प्रकाशक, मुद्रक, एवं संपादक-भरत सिंह चौहान। पुष्पांजली प्रिंटर्स-गोवर्धन कॉलेनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, जिला ग्वालियर (म.प्र.) से मुद्रित एवं दीपू इलेक्ट्रोनिक्स, पंजीयन क्रमांक/ एम.पी.एच.आई.एन. /31130
नियर हनुमान मंदिर, गोवर्धन कॉलोनी, भिण्ड रोड, गोला का मंदिर, ग्वालियर (म.प्र.) से प्रकाशित। सम्पादक - भरत सिंह चौहान E-mail : pushpanjalitoday17@gmail.com 0751-4901333, M.: 8269307478